सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 149 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 13 मार्च 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बीजापुर में पांच नक्सली गिरफ्तार, सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबलों को मिली कामयाबी

बीजापुर। बीजापुर में सुरक्षाबलों एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। यहां सुरक्षाबलों ने पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। सुरक्षाबलों की संयुक्त पार्टी ने मारुड़बाका के जंगलों से एक लाख के इनामी सहित पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सीआरपीएफ और कोबरा की संयुक्त पार्टी नक्सल विरोधी अभियान पर नेला कांकेर, मारुड़बाका व कमलापुर की ओर निकली थी। अभियान के दौरान मारुड़बाका के जंगल से पांच संदिग्धों को प्रतिबंधित माओवादी संगठन की प्रचार सामग्री के साथ पकड़ा गया।पूछताछ पर अपना नाम एक लाख का इनामी मारुड़बाका डीएकेएमएस अध्यक्ष, नारायण भंडारी, डीएकेएमएस सदस्य धरमा काका, डीएकेएमएस सदस्य नीला काका, डीएकेएमएस सदस्य किस्टा ध्रुवा और आरपीसी मिलिशिया सदस्य रामबाबू पुनेम बताया। पकड़े गए नक्सलियों के कब्जे से तलाशी के दौरान नक्सली सामान बरामद किया गया है। सभी नक्सलियों को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय बीजापुर में पेश किया गया है।

जांजगीर-चांपा में सड़क हादसा, ट्रेलर वाहन ने बाइक सवार युवक को कुचला, मौके पर ही हुई मौत

जांजगीर चांपा। जिले के भोजपुर में सड़क हादसा हुआ है। ट्रेलर वाहन ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया, जिससे युवक की

मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अजित कुमार साहू के रूप में हुई है, जोकि बोड़सरा का रहने वाला है। घटना चांपा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार, अजित कुमार साहू पीआईएल प्लांट में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत था। गुरुवार की सुबह 6 बजे उसकी ड्यूटी थी। ग्राम बोड़सरा अपने घर से जा रहा था, चांपा थाना क्षेत्र के भोजपुर पहुंचा हुआ था, तभी तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह ट्रेलर वाहन के चक्के के बीच में जा गिरा। ट्रेलर वाहन ने युवक को कुचला है मौके पर से वाहन को छोड़ चालक फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलने पर चांपा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को बीडीएम अस्पताल के पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं, परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई है। चांपा पुलिस आरोपी ट्रेलर वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश में जुटी हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सरेंडर नक्सलियों के लिए नई नीति को मंजूरी शिक्षा सुरक्षा के साथ आर्थिक सहायता पर जोर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट ले लिए अहम निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को अब और भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। बुधवार रात को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में नक्सलवाद से तौबा कर आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए नई नीति को मंजूरी दी गई है। नई नीति से आत्मसमर्पित नक्सलियों को आर्थिक सहायता के साथ शिक्षा व सुरक्षा की गारंटी भी मिलेगी। इसके साथ ही साय कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ में भारत माला परियोजना के क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार की प्राप्त शिकायत को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच ईओडब्ल्यू के माध्यम से जांच कराने का निर्णय लिया है।

बता दें बुधवार देर शाम मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। साय कैबिनेट ने राज्य में नक्सल समस्या के समाधान के लिए ठोस पहल करते हुए छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति-2023 के स्थान पर छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण-पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 को मंजूरी प्रदान की है। इस नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को आर्थिक सहायता, पुनर्वास, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। साय सरकार का मानना है कि नई नीति से सरेंडर करने के बाद नक्सलियों के जीवन में सुधार होगा। नई नीति हिंसा का रास्ता चुन चुके नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करेगी।

ईओडब्ल्यू करेगी भारत माला प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार की जांच

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में कैबिनेट मीटिंग में भारत माला प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार की जांच ईओडब्ल्यू को सौंपने का निर्णय किया गया। सीएम साय ने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने इस मामले को बुधवार को विधानसभा में उठाया था और हाईकोर्ट जाने की चेतावनी दी थी। मुख्यमंत्री ने 27 फरवरी को फिल्म छावा को राज्य में टैक्स फ्री करने की घोषणा की थी। मंत्रिपरिषद द्वारा मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अनुपालन में फिल्म छावा के प्रदर्शन पर प्रवेश के लिए देय राज्य माल और सेवा कर (एसजीएसटी) के समतुल्य धनराशि की प्रतिपूर्ति किए जाने का अनुमोदन किया गया।

मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के जल संसाधन विभाग के 9 बांधों के सुधार कार्यों के लिए 522.22 करोड़ रुपए भारत सरकार के माध्यम से ऋण स्वीकृति प्राप्त करने का निर्णय लिया गया। इनमें मनियारी टैंक, घोंघा टैंक, दुधावा, किंकारी, सोंढूर, मूरूमसिल्ली (भाग-2), रविशंकर सागर परियोजना (भाग-2), न्यूज रूद्री बैराज और पेण्ड्रावन टैंक शामिल हैं। एसडब्ल्यूआईसी, एनडब्ल्यूआइसी द्वारा विकसित डिजिटल प्लेटफार्म की सहायता से जल संसाधन प्रबंधन के लिए प्रमाणिक डेटा उपलब्ध कराएगा। इससे नीति निर्माण, रणनीतिक निर्णय, मॉडलिंग, विश्लेषणात्मक उपकरणों के विकास और जल प्रबंधन को मजबूती मिलेगी। छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) विधेयक-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

शुरू होगी मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप योजना

मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य में सुशासन और नीति क्रियान्वयन को मजबूत करने में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप योजना शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह योजना आईआईएम रायपुर और ट्रांसफार्मिंग रूरल इंडिया फाउण्डेशन नई दिल्ली के सहयोग से सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा संचालित की जाएगी। यह योजना छत्तीसगढ़ के मूल निवासी युवाओं के लिए होगी। इस कार्यक्रम को सुफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले फेलो को आईआईएम रायपुर द्वारा एमबीए के डिग्री प्रदान की जाएगी। प्रारंभिक तौर पर चयनित फेलो को दो वर्ष की कुछ अवधि में आईआईएम रायपुर में शैक्षणिक सत्र में शामिल होना होगा तथा शेष अवधि में जिला/विभाग में राज्य की योजनाओं एवं कार्यक्रम हेतु कार्य करके जिला/विभाग को सहयोग प्रदान करना होगा। इस कार्यक्रम में होने वाले खर्च का वहन राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा साथ ही फेलो को प्रति माह स्टाईपेंड भी प्रदान किया जाएगा।

राज्य जल सूचना केन्द्र का होगा गठन

मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य में जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और वैज्ञानिक योजना तैयार करने के लिए राज्य जल सूचना केन्द्र का गठन करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय से समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने की सहमति प्रदान की गई। स्टेट वाटर इंफॉर्मेशन सेंटर वर्षा, नदी और जलाशयों के स्तर, भूजल गुणवत्ता, गाद, नहरों में जल प्रवाह, फसल कवरेज, जलभृत मानचित्रण, भूमि और मिट्टी के डेटा सहित जल संसाधन संबंधी विभिन्न सूचनाओं का संग्रह, विश्लेषण और भंडारण करेगा। छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल विधेयक-2025 विधानसभा के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी (संशोधन) विधेयक-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

होली पर अम्बेडकर अस्पताल में 24 घंटे जारी रहेगी आपात चिकित्सा सेवा

■ मेडिकल स्टाफ को विशेष निर्देश सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के दिशानिर्देश पर होली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए अम्बेडकर अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने की व्यवस्था की गई है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य संबंधित विभागों को अलर्ट मोड में रहने के लिए निर्देशित किया है।

होली के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना या आपातकालीन चिकित्सा स्थिति के संभावित मामलों को देखते हुए आपात चिकित्सा सेवाओं को चौबीसों घंटे चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं। होली के दिन 14 मार्च को शासकीय अवकाश होने के कारण ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग) बंद रहेगा, लेकिन इमरजेंसी सेवाएं पूर्ववत 24 घंटे उपलब्ध रहेंगी।

आपात चिकित्सा सेवाओं को लेकर विशेष प्रबंध

आपातकालीन वार्डों में जीवन रक्षक दवाओं और आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। मेडिकल स्टाफको अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता दी जा सके। सभी डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को इमरजेंसी ड्यूटी के लिए तैयार रहने का निर्देश

दिया गया है। मरीजों को समय पर इलाज मिल सके, इसके लिए ट्रॉमा और इमरजेंसी यूनिट को विशेष रूप से सशक्त किया गया है।

चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था

अस्पताल परिसर में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा गार्ड और बंदूकधारी गार्ड तैनात किए गए हैं। सिक्योरिटी सुपरवाइजर को विशेष सतर्कता बरतने और सुरक्षा स्टाफको चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। आपात स्थिति में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस से समन्वय किया गया है।

डीकेएस तक एम्बुलेंस सेवा

गंभीर मरीजों को आवश्यकतानुसार डीकेएस अस्पताल स्थित सुपर स्पेश्यलिटी विभाग में भेजने के लिए अम्बेडकर अस्पताल से डीकेएस अस्पताल तक एम्बुलेंस सेवा 24 घंटे सक्रिय रहेगी। अस्पताल प्रशासन ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि होली का त्योहार सावधानीपूर्वक मनाएं और किसी भी आकस्मिक चिकित्सा स्थिति में घबराए बिना अस्पताल की आपातकालीन सेवाओं का लाभ उठाएं।

मास्टर्सलीग में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच सेमीफाइनल आज

■ यातायात विभाग ने जारी किया रूट प्लान, रात 1 बजे तक भारी-वाहनों को नो-एंट्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मास्टर्स लीग के पहले सेमीफाइनल में गुरुवार को सचिन तेंदुलकर की अगुआई वाली इंडिया मास्टर्स का मुकाबला शेन वॉटसन की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स से होगा। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार शाम इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का पहला सेमीफाइनल खेला जाएगा। सचिन तेंदुलकर की अगुआई वाली इंडिया मास्टर्स का मुकाबला शेन वॉटसन की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स से होगा। वहीं

14 मार्च को श्रीलंका मास्टर्स और वेस्टइंडीज मास्टर्स के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। 16 मार्च को फाइनल होगा।

गुरुवार को सेमीफाइनल मैच के लिए रायपुर ट्रैफिक पुलिस ने रूटमैप जारी किया है। इसमें स्टेडियम पहुंचने के आसान रास्ते बताए गए हैं। इसके अलावा पास के हिसाब से दर्शकों को गाड़ी पार्क करना होगा। रायपुर के सभी प्रवेश मार्गों पर मध्यम/भारी गाड़ियों की एंट्री दोपहर 3 बजे से रात 1 बजे तक बैन की गई है। इस रास्ते की जगह पर वैकल्पिक रास्तों का प्रयोग कर सकते हैं।

इससे पहले बुधवार को हुए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने इंग्लैंड मास्टर्स को 3 विकेट से हराया। इंग्लैंड मास्टर्स ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 209 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स 19.1 ओवर में 7 विकेट खोकर 210 रनों का लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

सेमीफाइनल की टक्कर

13 मार्च - ऑस्ट्रेलिया बनाम इंडिया मास्टर्स
14 मार्च - श्रीलंका बनाम वेस्टइंडीज मास्टर्स
16 मार्च - फाइनल मुकाबला

होली पर घर जाने निकला युवक ट्रेन से कटा, 190 किमी दूर मिला सिर

कौशांबी ए.। कौशाम्बी में सिराथू के करीब स्थित शुजातपुर रेलवे स्टेशन के पास हैरान कर देने वाली घटना हुई। यहां ट्रेन की चपेट में आने से मृत हुए युवक का धड़ तो पड़ा रहा लेकिन इंजन में फंसकर उसका सिर लगभग 190 किलोमीटर दूर दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन मुगलसराय पहुंच गया। सुबह ट्रेन पहुंचने पर इसकी जानकारी हुई तो प्रयागराज से जीआरपी के जवान मुगलसराय पहुंचे। फिर शाम को दूसरी ट्रेन से सिर वापस लेकर प्रयागराज आए।

छत्तीसगढ़ में होली के दिन नमाज का वक्त बदलाः दोपहर 2-3 बजे के बीच अदा की जाएगी, अलर्ट मोड पर रहेगी पुलिस

■ छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने सभी मस्जिद बोर्ड को भेजा पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। यूपी के बाद अब छत्तीसगढ़ में भी जुमे की नमाज के समय में बदलाव किया गया है। होली के दिन मस्जिदों में दोपहर 1 बजे होने वाली नमाज अब 2 से 3 बजे के बीच होगी। सभी मस्जिदों के बोर्ड को पत्र भेजा गया है।

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने बताया कि सांप्रदायिक सौहार्द के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। छत्तीसगढ़ वक्फबोर्ड के अध्यक्ष के निर्णय का बीजेपी ने स्वागत किया है। डॉ. सलीम राज ने बताया कि मुस्लिम समुदाय के लोग जुमे की नमाज अदा करते हैं। दोपहर 12 बजे जोहर की नमाज होती है। नमाजी नमाज अदा करने के लिए मस्जिद की ओर निकलेंगे। इस दौरान होली भी खेली जाएगी। किसी से विवाद की स्थिति न बने, इसलिए नमाज की टाइमिंग बदली गई है।

छत्तीसगढ़ वक्फबोर्ड के पूर्व अध्यक्ष ने कहा- होली पर विवाद ना करें

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस नेता सलीम रिजवी ने हिंदू और मुस्लिम समुदाय से होली के दिन विवाद ना करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि बहुत से मस्जिद के मुतवल्लियों और कमेटियों ने दोपहर 2 बजे के बाद नमाज का वक्त रखा है। वक्फ बोर्ड का यह अच्छा फैसला है।

किसानों ने इंद्रावती तक पहुंचाया जोरा नाले का पानी

श्रीकंचनपथ

ओडीशा और छत्तीसगढ़ की सरकारें पिछले 20 साल से जोरा नाला विवाद पर बातें कर रही हैं। इसके एक हिस्से में रेत और पत्थरों के जमाव के कारण इंद्रावती नदी सूख रही थी। इंद्रावती बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में तोकापाल, लोहंडीगुड़ा और बस्तर ब्लॉक के किसानों ने अंततः यह काम खुद ही कर लिया। बड़ी संख्या में किसान अपने साथ गैती, फावड़ा और सब्बल लेकर पहुंचे। स्वयं जोरा नाले में उतरे और इंद्रावती के पानी में रुकावट बन रहे रेत के टीलों और शिलाखण्डों को हटा दिया। इसके साथ ही दक्षिण छत्तीसगढ़ की जीवनरेखा इंद्रावती में एक बार फिर पानी पहुंचने लगा है। पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी खड़े-खड़े तमाशा देखते रहे पर वे किसानों को रोकने का साहस नहीं जुटा पाए। अब राज्य के सिर पर यह खतरा मंडरा रहा है कि ओडीशा इस मामले को एक बार फिर केन्द्र के पास लेकर जा सकता है। अच्छी बात यह है कि दोनों ही राज्यों में अब भाजपा की सरकारें हैं। जब किसान रेत और अवरोध हटाने का यह काम कर रहे थे तब मौके पर उपस्थित सरकारी अधिकारियों ने कहा कि यह काम सरकार का है और उसे ही करना चाहिए। इस पर किसानों और इंद्रावती बचाओ संघर्ष समिति ने दो टूक कह दिया कि जब सरकार नहीं कर पाई तभी किसानों को करना पड़ रहा है। दरअसल, यह बदलते भारत की वह सुगबुगाहट है जिसे अब तक नजरअंदाज किया जाता रहा है। जीवन रूलबुक के हिसाब से नहीं चलता। कोई सड़क पर मर रहा हो तो आप यातायात पुलिस या हाइवे पेट्रोल का इंतजार नहीं कर सकते। यह उनका काम है। पर आप इसमें दखल देते हैं और घायल को अस्पताल पहुंचाने की कोशिश करते हैं। इस मामले में पूंछ को आग तो किसानों के लगी हुई थी। इसलिए बुझाने की जल्दी भी उन्हें ही थी। अफसर बैठकर केवल बातें ही बनाते रह जाते थे। जल समझौता 2003 में 50 फीसद पानी छत्तीसगढ़ को मिला था पर अवरोध के कारण सिर्फ30 फीसद मिल रहा था। मामला व्यवस्था को अपने हाथ में लेने की है। जब सरकारी मशीनरी फेल हो जाती है तो जनता इसी तरह व्यवस्था को अपने हाथ में ले लेती है। जोरा नाले में जो हुआ, वह केन्द्र और राज्य सरकारों के लिए एक सबक है जिसे वो याद कर लें तो अच्छा रहेगा। लोक लुभावन नारों और धार्मिक मसलों पर लोगों को बहकाया तो जा सकता है पर उनकी दैनन्दिन समस्याओं को सुलझाया नहीं जा सकता। इन समस्याओं से स्थानीय लोगों का जीवन-मरण जुड़ा हुआ होता है। जब बात रोजी रोटी, खेत और परिवार पर आ जाती है तो लोग अंततः बेपरवाह हो ही जाते हैं। किसी भी सरकार के लिए इससे ज्यादा शर्म की बात और क्या हो सकती है कि लोग उसका काम स्वयं ही करने लग जाएं। यह संवेदनाहीन अफसरशाही की भी पोल खोलती है।

संपादकीय

छापे में पैसा मिला तो क्या होता है

राजनीति में किसी को सरकार में बड़ी या सबसे बड़ी पोस्ट मिल जाती है और वह चाहे कि उसके पास पैसा आना चाहिए तो उसके पास बाढ़ के पानी की तरह पैसा आता है। चारों तरफ से पैसा आता है। परिवार के लिए अलग पैसा आता है,पार्टी के लिए अलग पैसा आता है। अधिकारियों के जरिए आता है, अपने समर्थक नेताओं के जरिए आता है, किसी को लगा दिए तुमको आबकारी से पैसा देना है, किसी को लगा दिए कि तुमको कोयले से पैसा देना है, किसी तो लगा दिए आप सट्टा वालों से पैसा लाकर दो। बड़ी और सबसे बड़ी पोस्ट हो तो पैसा कमाने वाले समर्थक ढूंढने नहीं पड़ते, पद के साथ ही वह अपने आप मिलते जाते हैं।

> **पार्टी के लोग तो बड़ी व सबसे बड़ी पोस्ट का फायदा उठाते ही है,घर के लोग भी पद घर के किसी को मिल जाए तो वह भी फायदा उठाना सीख जाते हैं, नहीं सीखते हैं तो बाहर के लोग जो उनके आसपास रहते है,वह सिखा देते हैं कि पद का फायदा कैसे उठाया जा सकता है। पिता एक जगह कार्यालय लगाकर लोगों का दुख दूर करता है, पुत्र घर में कार्यालय लगाकर लोगों के दुख दूर करने का प्रयास करता है। बेटी और दामाद और अन्य रिश्तेदार होते हैं तो दुखी लोग उनके पास जाते हैं और उनसे कहते हैं कि पिता,पुत्र ही क्योंआप लोग भी तो दुख दूर कर सकते हो।**

सबसे बड़ा पद या बड़ा पद मिल जाने पर घर परिवार के जितने लोग होते हैं, सब लोगों को दुख दूर करने लग जाते हैं। लोगों का दुख दूर हो जाता है तो वह बहुत प्रसन्न होते हैं और कुछ न कुछ तो देते ही हैं। जो कुछ भी लोग देते हैं, जो कुछ भी समर्थक लाकर देते हैं, जो कुछ भी अधिकारी लाकर देते हैं, सब घर में लाकर देते हैं, जो घर आ जाता है,वह तो घर का हो जाता है। पांच साल में घर में कितना आया इसका किसी के पास कोई हिसाब नहीं हो सकता। बाढ़ के पानी की तरह पैसा आता है तो उसका एक बड़ा हिस्सा तो पार्टी को जाता है,उसके बाद भी बहुत सारा पैसा बचता है तो वह पैसा भी उसके लिए समस्या बन जाता है, जिसे पैसा खपाना नहीं आता है, जिसे ब्लैक मनी को व्हाइट मनी बनाना नहीं आता। जिन्हें दो चार करोड़ तक खपाना नहीं आता, छापा पड़ने पर उनके यहां जमा पैसा मिलता है।

आजकल पैसा कमाने वाले होशियार हो गए हैं। उनको मालूम है कि शराब से दो हजार करोड़ कमाना है तो उसे खपाना भी है, इसलिए पैसा कमाने के साथ लोग अपने आसपास ऐसे लोगों को रखते हैं जो बाढ़ के पानी की तरह आने वाले पैसे को खपाते रहते हैं। सीधी भाषा में कहा जाए कि काले पैसे को सफेद करते रहते है? अगर घर परिवार के सौ दो एकड़ खेती की जमीन है तो काला पैसा को सफेद करना और आसान होता है, वैसे तो बहुत कमाने वालों के यहां छापा पड़ जाए तो पैसा नहीं मिलता है और वह ईडी का यह कहकर अक्सर मजाक उड़ाते हुए मिल जाएंगे कि देखो ईडी ने मेरे यहां छापा मारा उसे एक रुपए नहीं मिला। घर में छापा मारा और घर में नगद पैसा नहीं मिला तो वह उसे ही अपने ईमानदार होने के सबूत के तौर पर पेश करते हैं और चाहते हैं कि जनता मान ले कि वह ईमानदार हैं क्योंकि उसके घर पैसा नहीं मिला।

जनता जानती है कि जिसके घर बहुत पैसा आता है, वह पैसा अब अपने घर में नहीं रखता है,उसका निवेश कर देता है। कहीं लगा देता है,किसी बिल्डर को खपाने के लिए दे देता है, किसी ज्वेलर को खपाने के लिए दे देता है, किसी फायनेंसर को देता है, किसी शेयर का काम करने वाले को दे देता है। यही वजह है ईडी किसी के यहां छापा मारती है तो खबर आती है कि उसने किसी एक आदमी के घर में छापा नहीं मारा है, उसने तो एक साथ 15 ठिकानों पर छापा मारा। इसमें एक आदमी पैसा कमाने वाला होता है, बाकी सब पैसा खपाने वाले होते हैं। यही वजह है कि अब घोटालों की जांच होती है तो ज्यादा छापे पड़ते है, ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी होती है। हजार दो हजार करोड का घोटाला करना है तो अब यह कोई आदमी तो नहीं कर सकता। इसके लिए तो पूरे गिरोह की जरूरत होती है, बड़े गिरोह की जरूरत होती है।इसे आजकल सिंडीकेट कहते हैं।

इस सिंडीकेट का जाहिर तौर पर एक मुखिया होता है, और उस मुखिया का भी कोई मुखिया होता है। होता यह है कि नीचे का मुखिया तो पकड़ा जाता है, जेल जाता है, लेकिन मुखिया का मुखिया बड़ा होशियार होता है, उसके लिए काम करने वाले पकड़े जाते हैं वह पकड़ा नहीं जाता है। तब तक पकड़ा नहीं जाता है जब तक बड़ी या सबसे बड़ी पोस्ट पर रहता है, लेकिन वह भी तो हमेशा पोस्ट पर नहीं रह सकता एक दिन आता कि चुनाव होता है और चुनाव वह हार जाता है तो उसकी पोस्ट चली जाती है। उसकी ताकत चली जाती है और अब उसके घर भी छापा पड़ता है,छापे में पैसा भी मिलता है तो वह डरता नहीं है वह खुद ही बताता है कि उसके यहां छापे में कितना पैसा मिला है।

वह यह भी शान से बताता है कि यह पैसा तो उसके परिवार का है, वह इसका हिसाब दे सकता है। सीधी सी बात है कि घर में जो पैसा मिले वह तो घर का पैसा होता है।जो आदमी घर में मिले पैसे का हिसाब दे सकता है, उसको ईडी से डरने की क्या जरूरत है। वह ईडी से तो नहीं डरता है लेकिन इस बात से जरूर डरता है अब ईडी के छापे तो पड़ते रहेंगे। किसी पैसा खपाने वाले के यहां यह सबूत न मिल जाए कि पैसा किसका है। देश में दिल्ली में ऐसा भी तो हुआ है कि ईडी के छापों में पैसा नहीं मिला लेकिन नेताओं को जेल जाना पड़ा। महीनों जेल जाना पड़ा, अदालत के चक्कर लगाने पड़े और अंत मे सीएम की कुर्सी भी चली गई और चुनाव में हार का सामना भी करना पड़ा। फिर से जेल जाने की आशंका बनी हुई है। हजार दो हजार करोड़ का घपला करने वाले सोचते हैं कि उन्हें कोई पकड़ नहीं सकता, लेकिन पोल खुल जाती है और सिंडीकेट की गिरफ्तारी शुरू होती है छापे पड़ते हैं तो उनको सबसे ज्यादा डर जेल जाने से लगता है।ऊपरी तौर पर भले ही कहें की छापे से क्या होता है, छापे में पैसा मिलने से क्या होता है।

नई शिक्षा नीति और त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर विवाद

अजीत द्विवेदी

यह अनुरोध सिर्फ केंद्र सरकार से नहीं है, बल्कि तमिलनाडु सरकार से भी है। नई शिक्षा नीति और त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर जो विवाद केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार के बीच छिड़ा है वह कोई भाषा और संस्कृति का विवाद नहीं है, बल्कि राजनीतिक विवाद है। इसलिए किसी भी भाषा को और खास कर हिंदी को खलनायक बनाने की जरुरत नहीं है। असलियत यह है कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दोनों पक्ष अपने अपने हथियारों को धार दे रहे हैं। यह दुर्भाग्य होगा अगर एक बार फिर भाषा का विवाद छिड़ेगा और राजनीतिक फायदे के लिए पार्टियां इसका इस्तेमाल करेंगी। ऐसा लग रहा है कि चार साल शासन करने के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भाषा के विवाद में अवसर दिख रहा है तो दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को इसी बहाने अपने को हिंदी हितैषी दिखाने का मौका मिला है। हिंदी हितैषी का यह नैरेटिव भाजपा को अगर तमिलनाडु में ज्यादा फायदा नहीं भी पहुंचाता है तब भी देश के 40 फीसदी से ज्यादा हिंदी भाषी इलाके में अच्छी बढ़त दिला सकता है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह एक राजनीतिक मसला है, जिसका भाषा और संस्कृति से ज्यादा सरोकार नहीं है। एमके स्टालिन नई शिक्षा नीति यानी एनईपी के बहाने हिंदी बनाम तमिल का मुद्दा इसलिए बना रहे हैं ताकि वे अपने को द्रविड अस्मिता का चैम्पियन दिखा सकें। वे एक आभासी लड़ाई छेड़ कर उसका राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं। इस तरह के कई काम वे और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन पहले भी कर चुके हैं। उदयनिधि ने इसी तरह के राजनीतिक लाभ के लिए सनातन धर्म के खिलाफ अवांछित टिप्पणी की थी। सनातन बनाम द्रविड संस्कृति का विवाद उन्होंने खड़ा किया था तो तमिल बनाम हिंदी का विवाद एमके स्टालिन बना रहे हैं। पहले तो उनका विरोध इतना था कि वे एनईपी के जरिए त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने और तमिल व अंग्रेजी के साथ तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी पढ़ाए जाने के प्रयास का विरोध कर रहे थे। उनका आरोप था कि केंद्र सरकार हिंदी थोपना चाहती है।

लेकिन बाद में उन्होंने हिंदी का विरोध शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी का वर्चस्व स्थापित करने के प्रयासों के चलते उत्तर भारत की 25 बोलियां समाप्त हो गईं। उनका यह निष्कर्ष भी राजनीतिक है और अधूरा है। अव्वल तो उत्तर भारत की बोलियां समाप्त नहीं हुई हैं। आज भी करीब 15 करोड़ लोग भोजपुरी बोलते हैं और पूर्वांचल के अलावा देश भर में और विदेशों में भी भोजपुरी बोली जाती है। भोजपुरी के अलावा बिहार में मगही, मैथिली, अंगिका, वज्जिका आदि बोलियां भी चलती हैं तो उत्तर प्रदेश में भोजपुरी के साथ साथ अवधि व ब्रज भाषा का भी चलन है। राजस्थान, मध्य प्रदेश में भी कई बोलियां प्रचलित हैं। इन बोलियों को मानक भाषा नहीं माना गया है। मानक भाषा के तौर पर हिंदी को संविधान में स्वीकार किया गया। संविधान बनाने वालों ने 1950 हिंदी को आधिकारिक राजभाषा बनाया और साथ ही कहा कि 15 साल तक अंग्रेजी सहायक राजभाषा बनी रहेगी। हालांकि बाद में तमिलनाडु और दूसरे राज्यों के विरोध की वजह से 15 साल की समय सीमा हटा दी गई। इसलिए हिंदी के साथ साथ अंग्रेजी भी कामकाज की भाषा बनी हुई है। तभी हिंदी को उसका विकास करने वाली बोलियों के विरोध में खड़ा करने की स्टालिन की राजनीति ठीक नहीं है।

अगर उनके इसी तर्क के हिसाब से देखें तो सवाल उठेगा कि क्या तमिल भाषा ने तमिल बोलियों को समाप्त नहीं किया है? तमिलनाडु के अलग अलग इलाकों में कई बोलियां प्रचलित रही हैं। आज भी अनेक बोलियों का अस्तित्व है लेकिन उनको मानक तमिल भाषा नहीं माना जाता है। कोंगु तमिल, मद्रास बशई, मदुरै तमिल, नेलाई तमिल, कुमारी तमिल आदि बोलियां हैं। इसके अलावा श्रीलंका के जाफना में या मलेशिया में मानक या शास्त्रीय तमिल भाषा नहीं इस्तेमाल होती है। वहां की अलग बोलियां हैं। ऐसा ही कन्नड़, मलयालम, तेलुगू आदि मानक भाषाओं का विकास भी बोलियों से ही हुआ है। जिस तरह से उत्तर भारत की बोलियों ने हिंदी को समृद्ध किया है उसी तरह अन्य मानक भाषाएं भी अपनी बोलियों से ही समृद्ध हुई हैं। इसलिए भाषा और बोली के बीच दशकों पहले सुलझ चुके विवाद को फिर से छेडने् की जरुरत नहीं है।

दूसरी अहम बात यह है कि अगर अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य संपर्क भाषा की बात होगी तो क्या वह हिंदी नहीं होगी? हिंदी के अलावा किसको पूरे देश की संपर्क भाषा कह सकते हैं? क्या तमिलनाडु के लोग देश के दूसरे हिस्सों में जाते हैं तो वे हिंदी का प्रयोग नहीं करते हैं? क्या वे हिंदी की फिल्में नहीं देखते हैं या हिंदी के गाने नहीं सुनते हैं? देश में उनका काम तमिल और अंग्रेजी के दम पर नहीं चल सकता है। खुद तमिलनाडु का तीर्थाटन और पर्यटन का विशाल कारोबार बड़ी हिंदी आबादी के दम पर ही चल रहा है। हिंदी भाषी पर्यटकों के साथ तमिल लोगों को कामचलाऊ हिंदी से कोई आपत्ति नहीं होती है। परंतु स्टालिन ने अपने राजनीतिक फायदा के लिए इसका विवाद बना दिया है।

इसी तरह भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने भी राजनीतिक लाभ के लिए इसे मुद्दा बनाया है। नई शिक्षा की नीति में कई चीजें अच्छी हैं, जिनको लागू कराना चाहिए। लेकिन ऐसा लग रहा है कि केंद्र सरकार का सारा जोर हिंदी पढ़वाने पर है। वह अपने को हिंदी हितैषी दिखाने के लिए दूसरी भाषाओं को हिंदी के विरोध में खड़ा करवाने की राजनीति कर रही है। वैसे भी तमिलनाडु में बड़ी संख्या में केंद्रीय विद्यालय हैं, जिनमें हिंदी पढ़ाई जा रही है। इसी तरह ज्यादातर निजी स्कूलों में भी हिंदी की पढ़ाई हो रही है। सीबीएसई, आईसीएसई और आईबी बोर्ड वाले स्कूलों में भी हिंदी की पढ़ाई हो रही है। क्या इतना पर्याप्त नहीं है, दक्षिण में हिंदी के प्रसार के लिए? इसके अलावा भी दक्षिण में हिंदी के प्रसार के लिए संस्थाएं बनी हैं। फिर क्यों केंद्र सरकार तमिलनाडु के सरकारी स्कूलों में हिंदी अनिवार्य कराने में लगी है? अगर त्रिभाषा फॉर्मूले की ही बात करें तो उत्तर भारत के कितने स्कूलों में इसको लागू किया गया है? ज्यादातर सरकारी स्कूलों में सारी पढ़ाई हिंदी में ही होती है। उत्तर भारत की बड़ी आबादी के लिए अंग्रेजी आज भी एलियन भाषा है। अंग्रेजी पढ़ाने के लिए रखे गए ज्यादातर शिक्षक हिंदी में ही अंग्रेजी पढ़ाते हैं। ज्यादातर जगहों पर तीसरी भाषा के तौर पर संस्कृत को रखा गया है इसके बावजूद अधिकतर छात्रों को सिर्फ परीक्षा पास करने लायक संस्कृत आती है, जिसका इस्तेमाल वे फिर जीवन में कभी नहीं करते हैं। इसलिए भाषा को लेकर इतना आग्रह या विवाद ठीक नहीं है।

उससे बड़ा सवाल यह है कि जिस देश में भाषा को लेकर इतने विवाद हुए, भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन हुआ, भाषा के नाम पर पार्टियां बनीं और सफल हुई उस देश में आज तक ज्ञान की माध्यम भाषा अंग्रेजी बनी हुई है। विज्ञान और गणित से लेकर समाजविज्ञान तक की पढ़ाई के लिए हिंदी या दूसरी क्षेत्रीय भाषाएं विकसित नहीं हो पाईं। भाषा और शिक्षा दोनों की गुणवत्ता लगातार खराब होती गई है। सबको मिल कर इस पर विचार करना चाहिए कैसे इसे ठीक करें। इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी के समय 42वें संविधान संशोधन के जरिए शिक्षा को राज्य सूची से हटा कर समवर्ती सूची में डाल दिया था। इंदिरा गांधी और इमरजेंसी को पानी पी पीकर कोसने वाली भाजपा को चाहिए कि वह इस संशोधन को रद्द कर दे और शिक्षा को फिर राज्य का विषय बना दे। उससे अपने आप कई विवाद खत्म हो जाएंगे।

(ये लेखक के विचार हैं)

कुंभ में डुबकी पापों को पुण्य में बदला

हरिशंकर व्यास

> जो आस्थावान हैं वे परमहंस अवस्था में हैं। उन्हें मुक्ति मिली। मोक्ष के साथ स्वर्गलोक में स्थान पक्का! जीवन तथा जन्म धन्य। ऐसे कोई 66 करोड़ हिंदुओं ने मौका नहीं चुका है। इन्होंने कुंभ में डुबकी लगाई और पापों को पुण्य में बदला। जन्म-जन्मांतर से मुक्ति हुई। स्वर्ग (ब्रहम में लीन) सुख की गारंटी पाई। दूसरी तरफ वे संसार जीवी हिंदू हैं, जो हैरानी से मन ही मन मान रहे हैं कि मार्केटिंग के रणनीतिकारों की कोई न कोई टोली, कोई थिंक टैंक है, जिसकी प्लानिंग से योगी और मोदी हिंदुओं में आस्था की सुनामी बनाते हुए हैं!

बकौल प्रधानमंत्री मोदी के शब्दों में- यह आयोजन, आधुनिक युग के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के लिए, प्लानिंग और पॉलिसी एक्सपर्ट्स के लिए, नए सिरे से अध्ययन का विषय बना है। आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की कोई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है। सौ टका सही बात है। निश्चित ही डोनाल्ड ट्रंप व इलॉन मस्क सहित दुनिया के उन सभी कर्णधारों को अपने राजनीतिक-धार्मिक, कारोबारी रणनीतिकारों को हड़काते हुए आदेश देना चाहिए कि वे भारत जा कर योगी और मोदी के चरणों में बैठें, उनसे सीखें! इन्होंने 45 दिनों में पूरी दुनिया को पछाड़ दिया है। हिंदू आस्था की महाशक्ति के विश्व रिकॉर्ड बने हैं। सो, कहां गए हमारे धर्म के धर्माचार्य? हमें वेटिकन में भीड़ का रिकॉर्ड बनाना है। जाहिर है इस होड़ में सर्वाधिक घायल चीन ही होगा। इसलिए क्योंकि वह कम्युनिस्ट देश है। धर्म तथा आस्थाविहीन देश है। उसे मोदी के भारत ने पहले आबादी में पछाड़ा। अब आस्था की ताकत में भी पछाड़ा!

गौर करें कुंभ बाद सरकारी प्रेस रिलीज, मीडिया रिपोर्टों की इन बातों पर 45 दिनों में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। अमेरिका सहित एक सौ देशों की आबादी से अधिक लोग कुंभ के दौरान प्रयागराज पहुंचे। यह संख्या मक्का और वेटिकन सिटी जाने वाले श्रद्धालुओं से भी अधिक है। सऊदी अरब के मक्का और मदीना जाने वाले हजयात्रियों से यह संख्या दो सौ गुना अधिक है। इस महाकुंभ ने इतिहास रचा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में कई रिकॉर्ड बने हैं आदि, आदि।

मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा में बाकी धर्मों को पछाडने् के दो टूक आंकड़े भी प्रस्तुत किए। उन्होंने महाकुंभ से तुलना में मक्का, मदीना का आंकड़ा बताते हुए कहा- मक्का में 24 दिन में एक करोड़ 40 लाख यानी करीब डेढ़ करोड़ लोग पहुंचे हैं। ईसाइयों के सबसे बड़े धार्मिक स्थल वेटिकन सिटी में 80 लाख पहुंचे हैं। लेकिन अयोध्या में इसके 12 गुना यानी 16 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। वही महाकुंभ में 45 दिनों में 64 करोड़ लोगों ने संगम स्नान किया है।इस्लाम, ईसाई या किसी अन्य धर्म में सनातन धर्म के इस वैश्विक आयोजन का कोई मुकाबला नहीं है।

जाहिर है इसकी वजह को भारत परम धाम प्राप्त है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा हैं- ये कुछ ऐसा हुआ है, जो बीते कुछ दशकों में पहले कभी नहीं हुआ। ये कुछ ऐसा हुआ है, जो आने वाली कई-कई शताब्दियों की एक नींव रख गया है।144 वर्षों के बाद पड़े इस तरह के पूर्ण महाकुंभ ने भी हमें भारत की विकास यात्रा के नए अध्याय का संदेश दिया है। ये संदेश है- विकसित भारत का। उन्होंने आगे कहा- आजादी के बाद भारत की इस शक्ति के विराट स्वरूप को यदि हमने जाना होता, और इस शक्ति को सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की ओर मोड़ा होता, तो ये गुलामी के प्रभावों से बाहर निकलते भारत की बहुत बड़ी शक्ति बन जाती। लेकिन हम तब ये नहीं कर पाए। अब मुझे संतोष है, खुशी है कि जनता जनार्दन की यही शक्ति, विकसित भारत के लिए एकजुट हो रही है। जाहिर है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आस्थावान हिंदुओं को परमहंस अवस्था में पहुंचा दिया है। इस अमृतकाल से भारत अमृतमय हो गया है और बाकी सभी धर्मों को पछाड़ दिया है। भारत विश्वगुरू है!

(ये लेखक के विचार हैं)

कश्मीर भारत का अभिन्न अंग

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने लंदन में चैथम हाउस थिंक टैंक के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर समस्या का समाधान जम्मू-कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी के बाद होगा जो अवैध रूप से पाकिस्तान के कब्जे में है। यह याद रखना चाहिए कि 22 फरवरी, 1994 को भारत की संसद में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसमें दोहराया गया था कि पाक अधिकृत कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है, और रहेगा। पाकिस्तान को वह हिस्सा छोडना् होगा जिस पर उसने कब्जा जमा रखा है।

वास्तव में जयशंकर की टिप्पणी संसद के इसी प्रस्ताव की प्रतिध्वनि है। जयशंकर ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करना भारत का पहला प्राथमिक कदम था। सूबे में विकास, आर्थिक गतिविधियां और सामाजिक न्याय की बहाली दूसरा कदम और यहां निष्पक्ष चुनाव कराना तीसरा कदम था। वास्तव में भारत अच्छी तरह से जानता है कि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर उसके लंबे समय से चले आ रहे दावे के अलावा पाकिस्तान का भी दावा है और स्वयं उन कश्मीरियों का अपना दावा है जो उस हिस्से की आजादी की मांग कर रहे हैं या भारत में विलय के लिए मांग कर रहे हैं।

चौथा दावा चीन का भी है जिसने वहां भारी निवेश किया है। इस अर्थ में जयशंकर का कहना जायज है कि पीओके भारत के नियंत्रण में आ जाए तो वह भी भारतीय जम्मू-कश्मीर की तरह विकास के रास्ते पर बढ़ सकता है। परंतु व्यवहार में यह काम इतना आसान नहीं है। हाल-फिलहाल यह हो सकता है कि पीओके में पाकिस्तानी सरकार के जो जुल्म बढ़ रहे हैं और जिनसे वहां के निवासी आक्रांत रहे हैं, उनके लिए वैश्विक समर्थन जुटाया जाए और स्वयं भारत भी उन्हें स्पष्टत आश्वासन दे कि वह उनकी जायज मांगों का समर्थक है। गिलगिट-बलूचिस्तान में रहने वाले लोगों ने अपने क्षेत्र पर पाकिस्तान के बलात कब्जे को कभी स्वीकारा नहीं है।

यहां राजनीतिक अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक आवाजें उठ रही हैं। पाकिस्तान की कुल भूमि का 40 फीसद हिस्सा यहीं है, लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब एक करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस इलाके में सर्वाधिक बलूच हैं। इसलिए इसे गिलगिट-बलूचिस्तान भी कहा जाता है। भारत को पीओके के निवासियों की पूरी चिंता है। लेकिन भारत का यह पक्ष केवल बातों में ही नहीं, व्यवहार में भी सामने आना चाहिए। पाकिस्तान के अवैध कब्जे से कश्मीर के इस हिस्से को भारत में वापस लाने का एक रास्ता यह हो सकता है।

महिलाओं के नेतृत्व में विकास

ज्योति विज, महानिदेशक, फिक्की

पिछले दशक में भारत की विकास गाथा में एक उल्लेखनीय बदलाव आया है और इस यात्रा का सबसे उत्साहवर्धक पहलू यह है कि इस देश की विकास गाथा में महिलाओं की भूमिका में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज हम गर्व से यह कह सकते हैं कि भारत के विकास के एजेंडे के केन्द्र में 'नारी शक्ति' है। भारत महिलाओं को न केवल जमीनी स्तर पर सशक्त बना रहा है, बल्कि विकसित भारत के निर्माता के रूप में उनके नेतृत्व का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है।

महिलाओं को विकास के लाभार्थी के रूप में देखने से लेकर उन्हें परिवर्तन के वाहक के तौर पर पहचानने की दिशा में आया बदलाव, सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं पहलों द्वारा समर्थित है। जीवन की निरंतरता से संबंधित दृष्टिकोण के तहत तैयार की गई ये नीतियां महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और यह सुनिश्चित कर रही हैं कि उन्हें बचपन से लेकर शिक्षा, सम्मानजनक जीवन, मातृत्व, वित्तीय आजादी एवं आर्थिक एकीकरण के मामले में सहायता हासिल हो। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' और 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसी शैक्षिक एवं पोषण संबंधी सहायता योजनाओं ने शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक असमानताओं को पाटने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन पहलों ने न केवल जन्म के समय लिंग अनुपात को बेहतर बनाने में मदद की है, बल्कि लैंगिक रूप से अपेक्षाकृत अधिक संतुलित समाज के निर्माण का आधार भी तैयार किया है।

इसके अलावा, आंगनवाड़ी प्रणाली और पोषण अभियान जैसी पहलों ने महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है। ये कार्यक्रम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि महिलाओं तथा युवतियों को वह पोषण एवं शिक्षा मिले जिसकी उन्हें अपने भविष्य की एक ठोस नींव रखने के लिए ज़रूरत है। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं ने भी महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में गहरा असर डाला है। उदाहरण के लिए, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने देश भर में 10.3 करोड़ से ज़्यादा एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए हैं। इस कदम से खाना पकाने के पारंपरिक ईंधन से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी जोखिम कम हुए हैं। स्वच्छ भारत मिशन ने 11.8 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया है। इससे महिलाओं की स्वच्छता और सुरक्षा के मामले में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन प्रयासों का महिलाओं की उत्पादकता पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा है।

सबसे परिवर्तनकारी पहलों में से एक है 'दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम)। इस योजना ने आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों – खासतौर पर ग्रामीण महिलाओं एवं समुदायों को बेहद सशक्त बनाया है। 31 जनवरी, 2025 तक, 10.05 करोड़ से ज़्यादा परिवारों को लगभग 90.87 लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में संगठित किया जा चुका है। इसके अलावा, एसएचजी के छह लाख से अधिक सदस्यों को विभिन्न भूमिकाओं – पशु सखी एवं कृषि सखी से लेकर बैंक सखी, बीमा सखी और पोषण सखी तक – में सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (सीआरपी) के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। इन प्रयासों ने महिलाओं को न केवल वित्तीय स्थिरता प्रदान की है, बल्कि उनमें अपने समुदायों के भीतर नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आत्मविश्वास भी जगाया है। देश के तेज विकास को नवाचार एवं उद्यमिता से गति मिल रही है। मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहल न केवल भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल रही हैं, बल्कि महिलाओं के लिए नए अवसर भी पैदा कर रही हैं। भारत, जिसे अब दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में पहचाना जाता है, महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों में उछाल का साक्षी बन रहा है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) और स्टैंड-अप इंडिया जैसी पहल इस रूझान को बढ़ावा देने में सहायक रही हैं।

पालना योजना और कामकाजी महिला छात्रावास योजना जैसी लक्षित पहलों के माध्यम से श्रमशक्ति में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कामकाजी महिलाओं के सामने आने वाली दो सबसे महत्वपूर्ण बाधाओं – देखभाल संबंधी कार्य और आवास से जुड़ी समस्या – को दूर करना है। इन उन्नतियों के बावजूद, देश में देखभाल से संबंधित एक समग्र एवं गुणवत्तापूर्ण इकोसिस्टम स्थापित करना तत्काल आवश्यक है। यों तो सरकार बच्चों एवं वृद्धों की देखभाल से जुड़ी सुविधाओं के मामले में मौजूद खाई को पाटने की दिशा में सराहनीय प्रगति कर रही है, लेकिन चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। एक ऐसे समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो न केवल भौतिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करे, बल्कि एक मजबूत नीतिगत ढांचे एवं गुणवत्ता आश्वासन तंत्र को भी कार्यान्वित करे।

उदाहरण के लिए, सरकार डे-केयर सेंटरों को प्रमाणित करने और मानकीकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उनकी गुणवत्ता की नियमित निगरानी करने हेतु एक वैधानिक निकाय के गठन पर विचार कर सकती है। इसके अलावा, कामकाजी महिलाओं को बच्चों (5 वर्ष की आयु तक के बच्चों) की देखभाल पर किए गए खर्चों के लिए एक निर्धारित सीमा तक विशेष कर संबंधी छूट प्रदान करने से अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को और अधिक बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, राज्यों द्वारा महिलाओं को शारीरिक श्रम वाली (ब्लू कॉलर) नौकरियों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीतियों को अधिक व्यापक रूप से अपनाने की आवश्यकता है। इन नीतियों में रात की पाली में काम करने तथा सुरक्षा से जुड़े उपायों का पर्याप्त प्रावधान होना चाहिए।

सरकार ने महिलाओं के राजनीतिक एवं डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। पीएमजीडीआईएसएचए जैसी डिजिटल पहल ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय आजादी हासिल करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में समर्थ बना रही है। एआई, ब्लॉकचेन और फिनटेक का उदय एसटीईएम क्षेत्रों में महिलाओं के लिए नए मार्ग प्रशस्त कर रहा है, जिसमें विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में महिलाएं-किरण (डब्ल्यूआईएसई-किरण) और संस्थानों को बदलने के लिए लैंगिक उन्नति (जीएटीआई) जैसी पहल शामिल हैं। राजनीतिक मोर्चे पर, महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने से विधायी निकायों में अधिक प्रतिनिधित्व का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे शासन के हर स्तर पर महिलाओं की आवाज का सुना जाना सुनिश्चित हुआ है।

इन सरकारी योजनाओं का परिवर्तनकारी प्रभाव देश भर में महिला नेताओं व उद्यमियों और परिवर्तन को संभव बनाने वाली महिलाओं की बढ़ती संख्या से स्पष्ट है। सशक्त महिलाएं न केवल अपने भविष्य को आकार दे रही हैं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक प्रगति को भी दिशा दे रही हैं। वास्तव में, महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास फिक्की जैसे संगठनों की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक रहा है और इसे विकसित भारत का एक अनिवार्य शर्त माना गया है। महिलाओं के नेतृत्व में विकास की यात्रा जारी है और इसकी सफलता सरकार एवं निजी क्षेत्र, दोनों के सामूहिक व निरंतर प्रयासों पर निर्भर करेगी।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

KJ कांतिलाल ज्वेलर्स
सोने, चांदी एवं गोल्ड जेवरों के निर्माता एवं विक्रेता
सदर बाजार, दुर्ग, 0788-2210274, 4038274
40 ,आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, फोन: 4060274
Kantilal_jewel@yahoo.com

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916 100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

महापौर अलका बाघमार ने किया लुचकी तालाब का निरीक्षण, अभियान चलाकर सफाई के दिये निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत महापौर अलका बाघमार ने पार्षद जितेंद्र ताम्रकर, पार्षद निलेश अग्रवाल,श्रीमती शशि साहू व अधिकारीयो के साथ लुचकि तालाब पहुँचकर निरीक्षण किया । इस दौरान महापौर ने कहा कि लुचकी तालाब के धार्मिक एवं सामाजिक महत्व के साथ साथ शहर के हृदय स्थल में स्थित होने के कारण यह तालाब बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। लुचकि तालाब का निरन्तर साफ़-सफाई होते रहना चाहिए, साथ ही साथ तालाब के पानी को स्वच्छ रखने हेतु दवाई का छिड़काव करने के लिए मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया। महापौर अलका बाघमार ने वार्ड पार्षद सहित रहवासियों से आग्रह किया किया की तालाब हम सबका है, हम सबको मिलकर तालाब को साफ़सुथरा और सुंदर रखना है। उन्होंने कहा जनभागीदारी से ही संभव है। शहर के अन्य निस्तारी तालाबो की भी सफाई योजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिको से अपील कर सुघर शहर बनाने के लिए हमें कचरों को डस्टबिन में डालेने और सड़कों व तालाबो पर ना फेंकने की बात कहीं। इस अवसर पर जितेन्द्र ठाकुर, आसिफ़अली सैय्यद,रजनीश श्रीवास्तव,हेमंत गोयल,नितेश जैन,उमेश गिरी व अलावा वार्डवासी उपस्थित रहें।

ज्ञान ज्योति माता सावित्रीबाई के कार्यों को किया याद

भिलाई। प्रथम शिक्षिका क्रांति ज्योति सावित्रीबाई फुले माता के परिनिर्वाण दिवस पर 10 मार्च को बुद्ध भूमि कोसा नगर प्रतिमा स्थल के पास श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके अतुलनीय योगदान को याद किया गया। सर्वप्रथम मोमबत्ती और अगरबत्ती प्रज्वलित कर माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात त्रिशरण और पंचशील का पाठ किया गया। बौद्ध कल्याण समिति के अध्यक्ष नरेंद्र शेन्डे ने माता सावित्रीबाई फुले के शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों को याद किया। भिमाई महिला मंडल की अध्यक्षा दानशीला रामटेके ने माता सावित्रीबाई फुले के समाज सेवा के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं की शिक्षा समानता और बहुजनों के हक और अधिकारों के लिए उनका संघर्ष और योगदान हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा। इस अवसर पर गीतेश्वरी रामटेके ,मीनाक्षी मून ,कोमल चंद्रिकापुरे, नीतू मेश्राम, माया सुखदेव,अल्का शेन्डे, श्रावस्ती रामटेके ,प्रिया मेश्राम, वीरेंद्र मेश्राम, गौतम डोंगरे प्रेरणा धाबर्डे और डॉक्टर उदय धाबर्डे तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन बौद्ध कल्याण समिति के उपाध्यक्ष रंजू खोबरागड़े ने किया तथा भविष्य में भी बुद्ध भूमि में रचनात्मक कार्यों को करने पर जोर दिया।

विधायक रिकेश के प्रस्ताव पर भिलाईयंस को मिली होली की बड़ी सौगातः बनेगा हार्स राइडिंग ट्रैक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। घुड़सवारी सीखने से आत्मविश्वास और आत्म–सम्मान विकसित होता है, जब कोई सवार सीखता है कि कैसे आगे बढ़ना है और साथ ही सवारी प्रशिक्षक या खुद द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करता है, तो मैं यह कर सकता हूँ की भावनाएँ वास्तव में जीवन में प्रभाव डालती हैं। घुड़सवारी करना आसान नहीं है और हर कोई इसे नहीं कर सकता।

एक कुशल घुड़सवार बनने का मतलब है कि आपके पास एक ऐसा कौशल है जो कई लोगों के पास नहीं है।

जी हां, हार्स राइडिंग के इसी कौशल को ध्यान में रखते हुए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन की पहल पर छः महीने के भीतर छत्तीसगढ़ का पहला हार्स राइडिंग ट्रैक भिलाई के सुपेला स्थित प्रियदर्शनी परिसर में बनने जा रहा है। आपको बता दें कि फरवरी महीने में दुर्ग जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद् बैठक में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने अपनी विधानसभा क्षेत्र के सुपेला प्रियदर्शनी परिसर में हार्स राइडिंग ट्रैक निर्माण का प्रस्ताव पेश कर ट्रैक संबंधित प्रोजेक्ट भी शासन को दिया था जिस पर 1 करोड़ 9 लाख 96 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। इस कार्य के लिए 43 लाख 98 हजार 400 रूपये की पहली किश्त राशि भी जारी कर दी गई है। विधायक रिकेश सेन ने बताया कि छत्तीसगढ़ का पहला शानदार हार्स राइडिंग ट्रैक सुपेला में तैयार किया जाएगा और 6 माह के भीतर इसे पूरा करने का लक्ष्य निश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि हार्स राइडिंग ट्रैक बनने से घुड़सवारी के सेटअप और इंफ्रास्ट्रक्चर का इंतजाम भिलाई में किया जाएगा जिससे यहां भिलाई–दुर्ग ही नहीं पूरे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी प्रेक्टिस कर सकेंगे।

इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा खेल मंत्री से चर्चा कर हार्स राइडिंग के अधीन हंटर/जंपर्स से लेकर रनिंग, ड्रेसेज, ड्राइविंग, इवेंटिंग, वॉल्टिंग, पोलो, ट्रेल क्लासेस, गैटेड प्रतियोगिताओं से लेकर रेनड काऊ और बैरल रेसिंग जैसे अनेक आयोजनों तथा प्रशिक्षण पर भी विचार किया जाएगा। गौरतलब हो कि वैशाली नगर विधायक के प्रस्ताव पर सुपेला के प्रियदर्शनी परिसर क्षेत्र में ही लगभग 2 करोड़ की लागत से स्केटिंग ट्रैक और 5 करोड़ की लागत से स्वीमिंग पूल निर्माण को स्वीकृति मिल चुकी है। अब यहां 6 महीने के भीतर हार्स राइडिंग ट्रैक निर्माण होने के बाद बहुत जल्द भिलाई सुपेला का यह क्षेत्र स्पोट्र्स हब के रूप में विकसित होगा। विधायक रिकेश सेन के इन तीन महत्वपूर्ण विकास कार्यों को प्रशासकीय स्वीकृति मिलने से जहां क्षेत्र में हर्ष की लहर है वहीं स्वीमिंग, हार्स राइडिंग और रोल स्केटिंग खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने श्री सेन का आभार व्यक्त किया है।

नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्यों का शपथ ग्रहण संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला पंचायत सभागार दुर्ग में आयोजित नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष , उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित हुआ। इस अवसर पर सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को उनके नवीन दायित्व हेतु हार्दिक शुभकामनाएं एवं अनंत बधाइयाँ दी।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने सभी नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष और जिला पंचायत सदस्य को बधाई देते हुए उनसे जनकल्याण के लिए काम करने आह्वान किया । जनता के विश्वास और आशीर्वाद से नवचयनित प्रतिनिधियों का यह नया सफर अपने अपने कार्य क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के प्रति समर्पित रहेगा।

सभी के साथ मिलकर समाज हित के कार्यों को गति देने और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प लिया। और निश्चित रूप से जिला पंचायत दुर्ग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी और क्षेत्र की प्रगति में एक नया आयाम जोड़ने का कार्य करेगी मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए जनहित और क्षेत्र के विकास के लिए सदैव समर्पित रहेंगे।इस अवसर पर नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों, जिला पंचायत दुर्ग के अधिकारी–कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बच्चों को सुपोषित बनाने जीई फाउंडेशन ने आंगनबाड़ी में बांटे पोषण आहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सामाजिक सेवा संस्थान गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन ने सुपोषण अभियान के अंतर्गत शास्त्री चौक, शास्त्री नगर–1, तीन दर्शन मंदिर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण आहार का वितरण किया। इस दौरान हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई और बच्चों को कुपोषण से बचाने आगे आने का आह्वान किया गया।

सुपोषण अभियान के अंतर्गत जीई फाउंडेशन के सदस्य मंगलवार को शास्त्री नगर आंगनबाड़ी पहुंचे। यहां बच्चों को प्रोटीन पाउडर, सोया बड़ी और बिस्किट सहित पोषण आहार प्रदान किया गया। माताओं को बच्चों में कुपोषण दूर करने के उपायों की जानकारी दी गई। इस दौरान माताओं ने अपने बच्चों को सुपोषित बनाने शपथ ली।

परिक्षेत्र की सुपरवाइजर अंजू यादव ने नोनी योजना के समस्त पात्र हितग्राहियों को आंगनबाड़ी केंद्र स्तर पर पंजीयन कराने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र रहे हितग्राहियों की मृत्यु उपरांत अंतरित राशि राज्य शासन को वापस करने के संबंध में प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। जीई फाउंडेशन की ओर से संयोजक प्रदीप पिल्लई ने 0–5 वर्ष के बच्चों का आधार कार्ड बनाने हेतु प्रेरित किया। इस संबंध में उन्होंने समस्त औपचारिकताओं की जानकारी हितग्राही माताओं को दी।

माहे रमजान में 'तालीम के लिए जकात' की मुहिम शुरू की 'इकरा' ने

भिलाई। ट्विन सिटी दुर्ग–भिलाई में सक्रिय संगठन इकरा टीचर्स एसोसिएशन ने रमजान के महीने में जकात का हिस्सा तालीम के लिए लेने मुहिम शुरू की है। एसोसिएशन की ओर से इस रमजान माह में तालीम के लिए जकात देने लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। एसोसिएशन की सरपरस्त समीना फारुकी, सदर यास्मीन नाज और सचिव एयू खान का मानना है कि इसके जरिए जरूरतमंद बच्चों का भविष्य संवारने की कोशिशों को मजबूती मिलेगी। गौरतलब है कि 2006 में ट्विन सिटी के कुछ जागरुक लोगों द्वारा शुरू की गई इकरा टीचर्स एसोसिएशन के जरिए शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कार्य किया जा रहा है। पदाधिकारियों ने बताया कि उनका संगठन एक वक्फ जकात फाउंडेशन है, जो जरूरतमंद और गरीबों को प्राथमिक तकनीकी (आईटीआई) से लेकर उच्च स्तर तक की तकनीकी शिक्षा के लिए सहयोग करता है। पदाधिकारियों के मुताबिक उनके संगठन का मकसद जकात लेने वालों को जकात देने वालों में बदलना है।

एसएमएस-3 में कर्म एवं पाली शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र में शिरोमणि पुरस्कार योजना के तहत उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए पाली एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसी के तहत स्टील मेल्टिंग शॉप–3 में 12 मार्च 2025 को शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक प्रमोद कुमार के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

समारोह में विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक विवेक कुमार सिंह को पाली षिरोमणी पुरस्कार से नवाजा गया। कर्म षिरोमणि पुरस्कार से सुनीत कुमार, राजेष शील, पेडागंधम नागेन्द्र, मिथुन नायक, बोद्देती प्रभाकर राव, जयमाल देहारी, घनष्याम रेनसिया तथा रितुराज पटनायक को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि प्रमोद कुमार ने सभी पुरस्कार विजेताओं के उत्कृष्ट कार्य प्रदर्षन की सराहना की और कहा कि यह पुरस्कार कमेटी द्वारा सुरक्षा सुनिष्चित करते हुए उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए दिया जाता है। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं के कार्यक्षेत्र में उपलब्धियों तथा समस्याओं व सुझावों पर भी चर्चा की। षिरोमणि पुरस्कार विजेताओं को स्मृति चिन्ह के रूप में प्रशस्ति पत्र, जीवनसाथी हेतु प्रशंसा पत्र तथा मिठाई का कूपन प्रदान किया गया।

षिरोमणि पुरस्कार समारोह में स्टील मेल्टिंग शॉप–3 के महाप्रबंधकगण श्रीमती पुष्पा एम्ब्रोस, त्रिभुवन बैठा, दिलीप कुमार वार्ष्णेय, पी सतपथी, एस के मिश्रा, डी एल कुमार, अजीत नारायण तथा उप महाप्रबंधक पी के रॉय उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित अनुभागप्रमुखों ने भी सभी पुरस्कार विजेताओं के कार्यषैली व सुरक्षा के प्रति जागरूकता की प्रषंसा की तथा उन्हें आगे भी श्रेष्ठ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन मानव संसाधन विभाग के राजेष कुमार पाण्डेय, श्रीमती सोनू शालिनी चैरसिया एवं एल सी गुप्ता द्वारा किया गया।

न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर का होली मिलन संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर का होली मिलन समारोह बुधवार को आकाशगंगा सुपेला गार्डन में आयोजित किया गया। भिलाई की पत्रकार बिरादरी के साथ जिले के सांसद विजय बघेल व विधायक रिकेश सेन की खास मौजूदगी में हास परिहास के बीच रंग गुलाल व फूल की पंखुडियों के साथ होली खेली गई। अथितियों के स्वागत सत्कार के साथ स्वरूचि भोज ने कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ा दी।

न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर का होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विशेष रूप से दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी, डॉ सुधीर गांगेय, डॉ एस के शर्मा, डॉ नवीन दारुका, बीएसपी एंसीलरी के रतन दासगुप्ता, एएसपी शहर सुखनंदन राठौर, सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी, बीएमएस के चन्ना केशवलू आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रेस क्लब के अध्यक्ष टी सूर्याराव, महासचिव खिलावन सिंह चौहान सहित सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों ने अतिथियों का ढोल बाजे के साथ अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के दौरान सांसद विजय बघेल ने सबसे पहले होली पर्व की सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भिलाई की पत्रकार बिरादरी हमेशा अपनी कलम की धार दिखाती आई है। कार्यक्रम में मौजूद रहे वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने पूरी टीम को इस आयोजन के लिए बधाई दी। होली मिलन समारोह शांतिपूर्वक संपन्न होने पर क्लब के अध्यक्ष टी सूर्या राव एवं महासचिव खिलावन सिंह चौहान ने अतिथियों व सभी पत्रकारों का आभार जताया।

कार्यक्रम में मंच संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष जेएम तांडी ने किया। कार्यक्रम के सफलतम आयोजन में उपाध्यक्ष कोमल धनेसर व के मोहन राव, सचिव रत्नाकर अल्वा व डीके साहू, कार्यालय सचिव रमेश भगत, सह सचिव संतोष मलिक, कार्यकारिणी सदस्य रमजान, सुनील चौहान, गौकरण निषाद, जयप्रकाश आर्य, अजित सिंह भाटिया व अनिल पंडा, वरिष्ठ पत्रकार अरविंद सिंह, योगेश गुप्ता, बीडी निजामी, सुधीर सिंह, उमेश निवल, रमेश गुप्ता, कमल शर्मा, राजेन्द्र गोस्वामी, अशोक पंडा, निर्मल साहू, सर्वेश सिंह हरप्रीत भाटिया, रवि दहाट, निर्मल साहू, प्रवीराज श्रीवास्तव, चंद्रकांत श्रीवास्तव, योगेश वर्मा सहित सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

खास खबर...

ग्रीन आर्मी पर्यावरण संरक्षण संस्था ने मनाया इको-फ्रेंडली होली मिलन

रायपुर। ग्रीन आर्मी, एक समर्पित पर्यावरण संरक्षण संस्था, द्वारा आज धोबी पारा गार्डन में एक यादगार इको-फ्रेंडली होली मिलन समारोह आयोजित किया। प्रदेश मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु ने बताया कि इस कार्यक्रम में पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिकों और ग्रीन आर्मी के उत्साही सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस वर्ष, ग्रीन आर्मी ने रासायनिक रंगों के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने और प्राकृतिक रंगों के उपयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने फूलों, सब्जियों और अन्य प्राकृतिक स्रोतों से बने रंगों का उपयोग करके होली का आनंद लिया। ग्रीन आर्मी ने प्रतिभागियों को घर पर ही प्राकृतिक रंग बनाने की सरल विधियां भी सिखाईं।

होली समारोह के दौरान, ग्रीन आर्मी के सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, जल संरक्षण करने और अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संकल्प लिया। संस्था द्वारा नागरिकों से पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने और हरित जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर, स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक होली गीत और नृत्य प्रस्तुत किए, जिससे समारोह में और भी रंग भर गए। बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को दर्शाते हुए नाटक और कविताएँ प्रस्तुत कीं।

व्यापम द्वारा प्रोफाइल पंजीकरण अनिवार्य, अभ्यर्थियों को अपडेट करना होगा प्रोफाइल

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) ने अब विभिन्न प्रवेश, पात्रता और भर्ती परीक्षाओं के लिए अभ्यर्थियों के लिए प्रोफाइल पंजीकरण प्रक्रिया को अनिवार्य कर दिया है। इस व्यवस्था के तहत, अभ्यर्थियों को अपने व्यक्तिगत जानकारी को बार-बार भरने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि वे एक बार प्रोफाइल पंजीकरण करके हर परीक्षा के लिए उसी प्रोफाइल का उपयोग कर सकेंगे। व्यापम की नई वेबसाइट 27 फरवरी 2025 से शुरू की गई है। जिन अभ्यर्थियों ने पहले से प्रोफाइल पंजीकरण किया हुआ है, उन्हें अब अपने प्रोफाइल को अपडेट करना अनिवार्य होगा।

अभ्यर्थियों को अपने पुराने प्रोफाइल लॉगिन और पासवर्ड के माध्यम से ऑनलाइन अपडेशन करना होगा। पुराने फोटो की जगह नवीनतम पासपोर्ट साइज का फोटो और हस्ताक्षर (50 से 100 केबी जेपीजी) अपलोड करना होगा। प्रोफाइल पासवर्ड बदलना होगा। वैध ई-मेल एड्रेस दर्ज करना होगा। यदि कोई अभ्यर्थी दिव्यांग है, तो उसे वेबसाइट में दिव्यांगता के प्रकार का चयन कर प्रोफाइल अपडेट करते समय जिला मेडिकल बोर्ड या सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र का क्रमांक एवं तारीख भी दर्ज करनी होगी।

संभागीय सरस मेले को मिल रहा अच्छा प्रतिसाद, लोगों में दिखा उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। संभाग स्तरीय सरस मेले को मिल रहा लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा बनाए गए विभिन्न सामग्री की खरीददारी करने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। मेले में कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की बिक्री हो रही है। समूह की दीदियों द्वारा बनाई गई सामग्री को ग्राहकों ने सराहा। मेले में स्टालों के जरिए सामग्री की बिक्री से समूहों को अच्छी आमदनी हो रही है।

स्व सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने की अभिनव योजना है राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन। योजना के तहत ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

महिला समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए संभाग स्तरीय सरस मेले का आयोजन 9 मार्च से 12 मार्च तक किया गया है। मेले में दीदियों द्वारा बनाई गई सामग्री लोगों को लुभा रही है। खरीददारी करने पहुंची श्रीमती ज्योति ने बताया कि मेले में उन्होंने कोसा साड़ी की खरीददारी की है, कम कीमत पर बाजार में इस क्वालिटी की कोसा साड़ी मिलना मुश्किल है, उन्होंने अपील की कि लोग सरस मेले में आकर दीदियों का उत्साह बढ़ाएं।

मेले में खरीददारी करने पहुंचे श्री सुरेश कुमार जांगडे ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयास सराहनीय है, उन्होंने बताया कि मेले में दीदियों द्वारा बनाए गए गुणवत्तापूर्ण सामग्री कम कीमत पर उपलब्ध है। दीदियों द्वारा बनाए गए कोसा वस्त्र, हर्बल गुलाल, अगरबत्ती, हेंडमेड साबुन, सजावटी सामान, आचार, बड़ी, पापड़ सहित सभी सामग्री अच्छी गुणवत्ता के हैं जिसका लाभ लोगों को लेना चाहिए। ग्राम पंचायत नेवरा स्व सहायता की दीदी श्रीमती अश्वनी बंजारे ने बताया कि वह समूह की सचिव है और महिलाओं को साबुन और सर्फ बनाने का प्रशिक्षण देती है।

मेले में उनके समूह द्वारा बनाए गए हर्बल साबुन की अच्छी बिक्री हो रही है और उन्हें मुनाफा मिल रहा है। इसी तरह जांजगीर चांपा जिले कि मीनू देवांगन ने बताया कि उनके समूह द्वारा कोसे की साड़ियां बुनी जाती है जिससे समूह की दीदियां आत्मनिर्भर बनी है। कोरबा जिले से आई सुनीता कश्यप ने बताया कि उनके समूह द्वारा कोसा धागा बनाकर उससे साड़ियां बनाई जाती है जिससे समूह की 40 दीदियां आत्मनिर्भर है। मस्तूरी ब्लॉक से आई श्रीमती अंजली पाटनवार ने बताया कि उनके समूह द्वारा अगरबत्ती का निर्माण किया जाता है।

समूह के पास अगरबत्ती बनाने की पांच मशीनें है जिससे वे अगरबत्ती निर्माण और पैकिंग का कार्य करती है। इस काम से 100 से अधिक महिलाओं को रोजगार मिला है, उन्होंने बताया कि समूह से जुड़कर महिलाओं में आत्मविश्वास आया है और वे घर से बाहर निकलकर अपनी आजीविका कमा रही है। सरकार द्वारा समूहों को उपलब्ध कराए जाने वाले ऋण से उन्हें काफी मदद मिलती है। उल्लेखनीय है कि मुंगेली नाका मैदान में सरस मेले का आयोजन 9 मार्च से 12 मार्च तक किया गया है जहां दीदियों द्वारा अपने उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की जा रही है। सरस मेले का उद्देश्य स्व सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराना है।

महापौर मीनल चौबे ने नगर वासियों को दी होलिका दहन और होली पर्व की बधाई व शुभकामनाएं

महापौर ने जानवरों पर रंग- गुलाल ना डालने लोगों से की विनम्र अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी शहर की प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने सभी नगर वासियों को होलिका द हन और होली पर्व पर अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें देते हुए सभी नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि स्वास्थ्य, शान्ति प्रदान करने के लिए और रायपुर को सुन्दर, स्वच्छ और सुव्यवस्थित नगर बनाने सकारात्मक ऊर्जा शक्ति प्रदान करने हेतु परमपिता परमेश्वर के श्री चरणों में विनम्र प्रार्थना की है।

महापौर मीनल चौबे ने नागरिकों से होली पर्व पर पालतू जानवरों, सड़कों के मवेशियों और जानवरों पर रंग-गुलाल आदि ना डालने की विनम्र अपील की है. महापौर ने कहा कि होली के दिन लोग गाय, श्वान, बिल्ली आदि पालतू जानवरों पर रंग-गुलाल डाल देते हैं, जबकि वास्तव में ऐसा करना उचित नहीं है, कारण कि पालतू जानवरों को इससे अत्यंत असुविधा होती है. इसलिए नागरिकों को इसका ध्यान रखना चाहिए और रंग -गुलाल आदि उन पर नहीं डालना चाहिए, ताकि किसी भी जानवर को पर्व के दिन किसी भी प्रकार की असुविधा ना होने पाए. महापौर मीनल चौबे ने सभी नगरवासियों से अधिकाधिक संख्या में नगर हित में स्वच्छता एप्प डाउनलोड कर मोबाइल पर स्वच्छता फीडबैक देने की विनम्र अपील की है।

निगम में जोन कमिश्नरों को प्रापर्टी लोकेशन एप्प का दिया प्रशिक्षण

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के मुख्यालय भवन में सभी जोन कमिश्नरों को नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम के आई टी. विशेषज्ञ रंजीत रंजन ने प्रापर्टी लोकेशन एप्प को डाउनलोड कर संचालन करने का पावर पॉइंट प्रजेटेशन के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण तृतीय तल सभाकक्ष में दिया। इसके पूर्व जो नों के सहायक राजस्व अधिकारियों और कार्यपालन अभियंताओं को ऑनलाइन प्रापर्टी लोकेशन एप्प के डाउनलोड कर संचालन के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रापर्टी लोकेशन एप्प के माध्यम से सर्च करते ही नगर निगम रायपुर क्षेत्र की किसी भी प्रापर्टी के सम्बन्ध में ऑनलाइन गुगल लोकेशन सहित सम्पतिकर कितना अदा किया गया है और कितना बकाया है, इसकी जानकारी एक क्लीक पर सम्पतिकर दाताओं को मिल जाएगी और वे आसानी से अपना सम्पतिकर नगर निगम रायपुर को अदा कर सकेंगे। आयुक्त विश्वदीप ने सभी जोन कमिश्नरों को दिए गए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत राजस्व वसूली सर्वोच्च प्राथमिकता सहित सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

मत्स्य निरीक्षक भर्ती परीक्षा 23 मार्च को

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल द्वारा 23 मार्च 2025 को संचालनालय मछली पालन विभाग के अंतर्गत मत्स्य निरीक्षक भर्ती परीक्षा (FF124) का आयोजन 23 मार्च 2025 को किया जाएगा। अभ्यर्थी 13 मार्च 2025 से छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल की आधिकारिक वेबसाइट vyapamcg.cgstate.gov.in से अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी पंजीकृत मोबाईल नंबर पर प्राप्त एसएमएस के यूआरएल को क्लिक कर सीधे अपने मोबाईल से प्रवेश पत्र प्राप्त कर प्रिंट आउट ले सकते है। प्रवेश पत्र के बिना किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षा केंद्र में मूल फोटो पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लाना होगा। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0771-2972780 एवं मो. नं. +91-82698-01982 पर संपर्क किया जा सकता है।

राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में ज्योतिष काउंसिल गठन की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आशीर्वाद भवन, रायपुर में कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में देशभर के 20 शहरों से आए 50 से अधिक विद्वान ज्योतिषाचार्यों ने भाग लिया। सम्मेलन में ज्योतिष, वास्तु एवं अंक विज्ञान को सुव्यवस्थित जीवन जीने का मार्गदर्शक बताया गया।

कार्यक्रम में रायपुर की प्रतिष्ठित हस्तियां, पं. लक्ष्मीकांत शर्मा (देव पंचांग), शिक्षाविद् पं. विष्णु प्रसाद शास्त्री और उज्जैन से पं. ईश्वर चंद्र दुबे ने अपने विचार प्रस्तुत किए। महाकाल धाम अमलेश्वर के संस्थापक पं. प्रियाशरण त्रिपाठी, पराशरीय ज्योतिष संस्थान के पं. प्रफुल्ल दुबे और अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति के अध्यक्ष एस्ट्रो पं. योगेश तिवारी ने भी कार्यक्रम का मार्गदर्शन किया।

कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. अरुण शुक्ल ने सम्मेलन में कहा कि विद्वान पंडितों की उपस्थिति के बावजूद कंप्यूटर और अल्पज्ञान वाले पंडितों की वजह से अच्छे रिश्ते तय नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था 14 वर्षों से वैवाहिक पत्रिका प्रकाशित कर रही है, जिसमें 800-1000 बायोडाटा प्रकाशित होते हैं, लेकिन मात्र 25-40ल रिश्ते ही तय हो पाते हैं। इस स्थिति को सुधारने के लिए उन्होंने सरकार से ज्योतिष काउंसिल के गठन की मांग की, जिससे ज्योतिष कार्य केवल पंजीकृत विद्वानों द्वारा किया जा सके। इस संबंध में हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन शासन को सौंपने की तैयारी की गई।

मुंबई से आए हितेश भाई गुरुजी ने दस महा विधाओं पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. हिना बेन जोशी ने पास्ट लाइफ रिग्रेशन और पितृ दोष निवारण पर जानकारी दी। मुंबई की डॉ. साची केशरी ने टैरो कार्ड और राहु ग्रह के प्रभावों पर विशेष उद्बोधन दिया। रायपुर, बिलासपुर, उज्जैन, बीकानेर, कोरबा, और मुंबई सहित विभिन्न शहरों से आए विद्वानों ने ज्योतिष से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार प्रस्तुत किए। सम्मेलन में कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज और अन्य संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, कार्यक्रम स्थल पर निशुल्क कुंडली निर्माण और ज्योतिषीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे उपस्थित लोग लाभान्वित हुए।

वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन ने 36 महिलाओं को किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को महिला शिखर सम्मान समारोह का आयोजन वृन्दावन हाल, रायपुर में किया गया। प्रदेश की विभिन्न विधा की ख्यातिलब्ध 36 विप्र महिलाओं का इस अवसर पर शॉल, बुके एवम् स्मृति चिन्ह (स्व. श्रीमती पार्वती देवी-रविशंकर मिश्रा स्मृति) देकर सम्मान किया गया. समारोह में नृत्य, गीत, संगीत ने समां बांधे रखा. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती मीनल चौबे-महापौर, विशेष अतिथि पार्षदगण श्रीमती सरिता आकाश दुबे, श्रीमती स्वप्निल मिश्रा, श्रीमती सुमन अशोक पाण्डेय, श्रीमती शताब्दी पाण्डेय एवं श्रीमती अर्पिता पाठक-उप संचालक, नगरीय प्रशासन, रायपुर थीं।

सभा को संबोधित करते हुए नव निर्वाचित महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि महिलाओं का सम्मान तो हर दिन किया ही जाता है पर आज का दिन विशेष है. महिलायें परिवार की जिम्मेदारियों के साथ आफिस, व्यापार, राजनीति सहित कई क्षेत्रों में सफलता पूर्वक कार्य कर रही हैं। वे स्वभाव से मृदुभाषी होती हैं पर परिस्थितियों के अनुसार वे शौर्य में पीछे नहीं हटतीं। उन्होंने निगम चुनाव में अपनी जीत के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया. श्रीमती सरिता दुबे, श्रीमती स्वप्निल मिश्रा, श्रीमती सुमन पाण्डेय, श्रीमती शताब्दी पाण्डेय, श्रीमती अर्पिता पाठक ने संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए सम्मानित होने वाली महिलाओं को बधाईयां दीं. प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द ओझा ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संस्था द्वारा वर्ष में किये जाने वाले कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी. महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा ने सम्मानित महिलाओं के कार्य उपलब्धियों से अवगत कराया।

जिन महिलाओं का सम्मान किया गया उनके नाम एवं कार्यक्षेत्र निम्नानुसार रहे- डॉक्टर प्रीति उपाध्याय रायपुर- दिव्यांग शिक्षा एवं समाज सेवा, डॉक्टर जया बाजपेयी रायपुर-चिकित्सा सेवा, श्रीमती वंदना तिवारी राजनांदगांव- शिक्षा व विप्र समाजसेवा, श्रीमती प्रीति मिश्रा रायपुर-साहित्य लेखन, श्रीमती मेघा आपटे रायपुर शिक्षा व साहित्य लेखन, डॉक्टर संयुक्ता तिवारी धमतरी- शिक्षा व चिकित्सा सेवा, डॉक्टर कोमल पाठक रायपुर- शिक्षा व चिकित्सा सेवा, डॉक्टर मोनिका शर्मा धमतरी- शिक्षा व साहित्य लेखन, श्रीमती उषा मिश्रा भाटापारा-समाज सेवा, श्रीमती मंजु शर्मा बेमेतरा- समाज सेवा, श्रीमती शारदा चौबे रायपुर- पर्यावरण व समाज सेवा, सुश्री अंजु पाण्डेय अश्रु खरोरा- साहित्य लेखन व समाज सेवा, सुश्री अजिता पाण्डेय बिलासपुर- पशु, पक्षी व सर्प जागरूकता, श्रीमती अर्चना त्रिवेदी बलौदाबाजार- शिक्षा व समाज सेवा, श्रीमती श्रद्धा दुबे, बलौदाबाजार- शिक्षा व समाज सेवा, श्रीमती कल्पना शुक्ला रायपुर- शिक्षा व समाज सेवा, डॉक्टर रोली तिवारी रायपुर- मनोविज्ञान शिक्षा सेवा, श्रीमती शशि दुबे जी रायपुर- काव्य पाठ व साहित्य लेखन, श्रीमती सीमा पाण्डेय रायपुर- काव्य पाठ व साहित्य लेखन, श्रीमती मीनू त्रिवेदी (दिव्यांग) कोरबा- विधिक सेवा, श्रीमती अमिता दुबे नगरी-साहित्य लेखन, सुश्री अंकिता शर्मा रायपुर- जनसंचार व समाज सेवा, श्रीमती अर्चना मिश्रा महेन्द्रगढ़- राजनीति व समाज सेवा, श्रीमती सुरभि शर्मा रायपुर- शिक्षा व जन संचार सेवा, श्रीमती कल्पना मिश्रा रायपुर- समाज सेवा, श्रीमती नीतू पाण्डेय रायपुर-महिला व बाल कल्याण सेवा, श्रीमती वीणा ठाकुर रायपुर-शिक्षा व समाज सेवा, डॉ. रागनी पाण्डेय रायपुर-शिक्षा सेवा, सुश्री भूमिका उपाध्याय दुर्ग-हॉकी खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन के संगठन को विस्तार करते हुए रायपुर एवं बलौदाबाजार जिले के महिला विंग पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपाध्यक्ष गुणानिधि मिश्रा, राष्ट्रीय महासचिव सुरेश मिश्रा, प्रदेश महासचिव सुनील ओझा, अजय अवस्थी, संभागीय अध्यक्ष नितिन कुमार झा, प्रदेश सलाहकार रज्जन अग्निहोत्री, त्रिभुवन तिवारी, महिला महासचिव सुमन मिश्रा, कार्यक्रम संयोजक प्रीति मिश्रा, बबीता मिश्रा, वीणा मिश्रा, सुलभा पाण्डेय, विद्या भट्ट, वसुधा राकेश तिवारी, राधा तिवारी, सुमन पाण्डेय, निकिता तिवारी, अनिता राव, सुनीता शर्मा, राघवेंद्र पाठक, उमेश शर्मा, रवि शर्मा, गिरजा शंकर दीक्षित, रामवृत तिवारी, बलौदाबाजार से मनीषा शुक्ला, कीर्ति शर्मा, ऋचा द्विवेदी, निशा झा, नवभारत के छत्तीसगढ़ उडीसा प्रमुख उमाशंकर व्यास, बिलासपुर से रेखेन्द्र तिवारी, विमलेश तिवारी, लोरमी से राकेश तिवारी, मनेन्द्रगढ़ से संतोष द्विवेदी, बेमेतरा से कनकलता मिश्रा, कान्यकुब्ज से निशा पाण्डेय, नीता अवस्थी, साधना महिला मंडल से साधना शर्मा, महाराष्ट्र मंडल से विशाषा तोपखानेवाले, अखण्ड ब्राह्मण से योगेश तिवारी, पंजाबी ब्राह्मण से अजीत वीर शर्मा, नारायणी संस्थान से मृणालिका राजेन्द्र ओझा आदि काफी संख्या में विप्रजन उपस्थित थे।कार्यक्रम का मंच संचालन नमिता शर्मा एवं अरविन्द ओझा एवं आभार प्रदर्शन सुमन मिश्रा ने किया।

सूखे रंग और गुलाल से आँखों को बचाएं - डॉ. मिश्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वरिष्ठ नेत्र एवं कान्टेक्ट लेन्स विशेषज्ञ डॉ. दिनेश मिश्र ने होली पर आंखों व अन्य संवेदनशील अंगों को बचाकर रंग खेलने का सलाह दी है। उन्होंने कहा कि होली खेलें जरूर पर आंखों के अंदर में सूखा रंग व गुलाल न जाए, इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

डॉ. दिनेश मिश्र ने बताया कि पहले होली प्राकृतिक वस्तुएं जैसे विभिन्न फूलों, पत्तियों, जड़ों व बीजों से तैयार रंगों से खेली जाती थी जो शरीर के लिए नुकसानदायक नहीं थे, इन रंगों के तैयार करने में भले ही समय अधिक लगता था तथा कम मात्रा में ही तैयार होते थे। लेकिन ये शारीरिक वातावरण के अनुकूल थे। आजकल बाजार में उपलब्ध रंग-गुलाल कृत्रिम व रासायनिक पदार्थो से बनते है।, जो कम समय में तथा अधिकाधिक मात्रा में बनते हैं, कृत्रिम रंग सस्ते जरूर हैं लेकिन शरीर को नुकसान पहुंचा सकते है। कृत्रिम रंग जिन रासायनिक पदार्थो से बनते है उनके रासायनिक गुणों के अनुरूप अम्लीय-क्षारीय होते हैं। ये केमिकल (रसायन) शरीर की त्वचा, पलकों, आंखों पर दुष्प्रभाव डालते हैं जिससे आंखों व चेहरे में जलन, खुजलाहट, सूजन, दाने आना, एलर्जी होना आदि प्रतिक्रिया होती है। यह प्रभाव अलग अलग व्यक्तियों में भिन्न हो सकता है। रंग व गुलाल में चमक के लिए अभ्रक पीस कर मिलाया जाता है जिससे त्वचा व आंखों में हानि पहुंचती है। वहीं गुलाल में मिट्टी व बारीक पिसी रेत मिलाने से चेहरे व आंख के नाजुक हिस्से में खरोंच हो जाती है।

डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा कि आंख में सूखा रंग, गुलाल जाने से बचाया जावे। यदि आँख के अंदर रंग गुलाल चले जाता है तो आँखों को रगड़े नहीं, बल्कि उसे धीरे से आँखों से निकालने की कोशिश करें। सूखा रंग व गुलाल त्वचा, गालों, पलकों व साथ ही आँख की पुतली में रगड़ से जख्म बनाता है तथा रासायनिक पदार्थ के कारण आँख में कंजक्टीवाइटिस तथा रगड़ से कार्नियल अल्सर भी हो सकता है। रंग को सूखे कपड़े, रूमाल से धीरे-धीरे साफ कर लें व पानी से धीरे-धीरे अच्छी तरह से धो लें। रंग की तेज धार, पानी व गुब्बारे जोर से फेंके जाने पर चेहरे पर आंख में चोट लग सकती है। आँख में तेज दर्द, आंसू आने, लालिमा होने व धुंधलापन आने पर रगड़े नहीं बल्कि आँख को धोने के बाद समीप के नेत्र विशेषज्ञ से परामर्श करें। ध्यान रखे गोबर, कोयला, राख, पेन्ट, ग्रीस, डामर, केवाच आदि का प्रयोग करना शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है। बल्कि इनकी एलर्जी, चोट होली के इन्द्रधनुष रंगों को बदरंग कर सकती है। डॉ. दिनेश मिश्र अपने फूल चौक स्थित अस्पताल में 14 मार्च को सुबह 12 बजे से दोपहर 2 बजे तक होली में रंग खेलने से होने वाली तकलीफों के निःशुल्क परामर्श व उपचार के लिए उपलब्ध रहेंगे।

खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आ सकती हैं मल्लिका शेरावत

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत को पिछली बार राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के साथ फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। अब खबर आ रही है कि मल्लिका जल्द ही रोहित शेट्टी का स्टंट पर आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 15वें सीजन में नजर आएंगी।

वह इस शो का हिस्सा बनने को लिए काफी उत्साहित हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, मल्लिका स्टंट पर आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 में बतौर प्रतियोगी भाग लेने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने हाल ही में अभिनेत्री से संपर्क किया था और इस सीजन में दिलचस्पी दिखाई है। बता दें कि इससे पहले भी मल्लिका को यह शो ऑफर किया गया था, लेकिन व्यस्त शेड्यूल के चलते वह इसमें भाग नहीं ले पाईं। हालांकि, इस साल उनकी तरफ से चीजें सकारात्मक दिख रही हैं।

मल्लिका के अलावा खतरों के खिलाड़ी 15 में एल्विश यादव, अविनाश मिश्रा, ओरी, दिग्विजय सिंह, ईशा सिंह, चुम दरंग, सिद्धार्थ निगम, बसीर अली, गुलकी जोशी और भाविका शर्मा सहित कई अन्य सितारे नजर आ सकते हैं। मोहसिन खान को शो का हिस्सा बनने के लिए संपर्क किया गया है। बता दें कि खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग मई 2025 में शुरू होने वाली है और इस साल जून या जुलाई के आसपास इसका प्रीमियर होने की उम्मीद है।

अपने से 11 साल छोटी श्रीलीला को डेट कर रहे कार्तिक आर्यन?

कार्तिक आर्यन ने आईफा 2025 अवॉर्ड्स समारोह में 'भूल भुलैया 3' में शानदार अभिनय के लिए बेस्ट एक्टर मेल लीड कैटेगरी में अवॉर्ड जीता। अपनी एक्टिंग और फिल्मों के साथ ही कार्तिक आर्यन इन दिनों अपने रिलेशनशिप को लेकर भी सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कार्तिक आर्यन इन दिनों 11 साल छोटी एक्ट्रेस श्रीलीला को डेट कर रहे हैं। दोनों को कई मौकों पर साथ में स्पॉट भी किया गया। यहां तक कि श्रीलीला कार्तिक आर्यन की फैमिली पार्टी में जमकर डांस करते भी नजर आई थीं।

8-9 मार्च को जयपुर में आयोजित हुए आईफा अवॉर्ड्स के दौरान कार्तिक आर्यन की मां ने अपने होने वाली बहू की खूबियों के बारे में बात करते हुए कपल के रिलेशनशिप की खबरों को और तेज कर दिया है। कार्तिक आर्यन की मां माला तिवारी ने आईफा अवॉर्ड्स के दौरान बताया कि उन्हें कैसी बहू चाहिए और उनकी बताई खूबियों को सोशल मीडिया यूजर्स श्रीलीला से जोड़ रहे हैं।

कार्तिक की मां चाहती हैं डॉक्टर बहू

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक क्लिप में कार्तिक की मां से उनकी होने वाली बहू की खूबियों के बारे में पूछा गया। इस पर रिएक्शन देते हुए माला तिवारी ने खुलासा किया कि वह अपने बेटे की पत्नी के रूप में एक अच्छी डॉक्टर चाहती हैं। कार्तिक की मां ने वीडियो में कहा, 'परिवार की मांग एक बहुत अच्छी डॉक्टर की है'। नेटिजेंस उनके इस बयान को उनके बेटे की रूमर्ड गर्लफ्रेंड श्रीलीला की तरफ इशारा मान रहे हैं।

डॉक्टर की पढ़ाई कर रही थीं श्रीलीला

बता दें, श्रीलीला ने मेडिकल की पढ़ाई की है। एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले वो मेडिकल कर रही थीं। ऐसे में कार्तिक आर्यन की मां माला तिवारी के बयान को 23 साल की श्रीलीला से जोड़कर देखा जा रहा है। श्रीलीला को पुष्पा 2 से पहचान मिली। फिल्म में उन्होंने किस किस गाने पर आइटम सॉन्ग किया था जो काफी पॉपुलर हुआ।

पर्दे पर साथ दिखेंगे कार्तिक-श्रीलीला

अब कार्तिक आर्यन और श्रीलीला जल्द ही बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। दोनों की फिल्म का नाम अभी तक फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन कार्तिक और श्रीलील लव स्टोरी में साथ दिखेंगे जिसका निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं और इस फिल्म का निर्माण टी-सीरीज के बैनर तले भूषण कुमार कर रहे हैं।

बॉडीकॉन आउटफिट में कहर ढा रहीं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल, तस्वीरें देखकर हो जाएंगे फिदा

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड और सिजलिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने परफेक्ट फैशन स्टेटमेंट्स से सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से मदहोश हो गए हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। प्रज्ञा जैसवाल की लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने ग्रीन कलर का बॉडीकॉन शॉर्ट आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से कंप्लीट किया है। उनका ये कातिलाना अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। बता दें कि प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं।

जन्नत जुबैर ने पहले फैसल शेख को किया अनफॉलो फिर किया क्रिप्टिक पोस्ट, 'जो था उसे जाने दो

जन्नत जुबैर अब तक की सबसे पसंदीदा टेलीविजन एक्ट्रेस हैं। महज 23 साल की उम्र में, वह टेलीविजन पर सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस बन चुकी हैं। एक-एक एपिसोड के लिए वो लाखों रुपये चार्ज करती हैं। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में वो अपने काम के साथ अपनी पसर्नल लाइफको लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं।

सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर फैसल शेख यानी मिस्टर फैसू के साथ उनके नाम को कथित तौर पर जोड़ा जाता है। दोनों को अक्सर साथ में स्पॉट भी किया जाता रहा है। पिछले दिनों खबरें थी कि दोनों जल्द शादी के बंधन में बंध सकते हैं। शादी की चर्चाओं के बीच ऐसा लगता है कि दोनों के बीच सबकुछ नहीं चल रहा है। क्योंकि जन्नत की हालिया सोशल मीडिया एक्टिविटी ने चर्चा को हवा दे दी है।

पिछले काफी समय से जन्नत जुबैर और फैसल शेख को लेकर खबरें हैं। फैंस दोनों की जोड़ी को काफी पसंद भी करते आए हैं। लेकिन दोनों एक-दूसरे को अपना अच्छा दोस्त बताते आए हैं, लेकिन ऐसी खबरें हैं कि दोनों एक-दूसरे को काफी समय से डेट कर रहे हैं। वहीं अब खबर आ रही है कि जन्नत जुबैर और फैसल शेख का ब्रेकअप हो गया है।

जन्नत के साथ पूरे परिवार ने फैजू को किया अनफॉलो

दरअसल, जन्नत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से फैजल को अनफॉलो कर दिया है। सिर्फ जन्नत ही नहीं बल्कि उनके भाई अयान जुबैर और उनकी मां नाजनीन ने भी फैसल को अनफॉलो कर दिया है। हालांकि, फैसल जन्नत, उसके भाई और उसकी मां के इंस्टाग्राम हैंडल को फॉलो कर रहे हैं।

अपने ही ख्यालों में खोई हुई नजर आईं जन्नत

इतना ही नहीं जन्नत का लेटेस्ट पोस्ट इस बात का भी इशारा कर रहा है कि उनकी जिंदगी में कुछ ठीक नहीं है। 11 मार्च, 2025 को जन्नत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने क्रीम रंग के शॉल के साथ कैजुअल ड्रेस पहनी थी और कोई मेकअप नहीं किया था। तस्वीरों में वह मुस्कुराती नजर आ रही थीं, लेकिन देखकर पता चल रहा था कि वह अपने ही ख्यालों में खोई हुई थीं।

पोस्ट ने बढ़ाई फैंस की चिंता

इस तस्वीर के साथ, यह उसका क्रिप्टिक पोस्ट, जिसने उसके रिश्ते में खटास आने की चर्चा छेड़ दी। जन्नत ने जो था उसे छोड़ देने और जो आ सकता है उस पर विश्वास रखने की बात की। उन्होंने लिखा- 'जो है उसे स्वीकार करो, जो था उसे जाने दो और जो होगा उस पर विश्वास रखो।'

जन्नत के पोस्ट पर कर रहे हैं सवाल

जैसे ही जन्नत ने पोस्ट शेयर किया, फैंस ने कमेंट सेक्शन में बाढ़ सी ला दी। एक यूजर ने लिखा, 'अब देखा कि सच में जन्नू, अयान और आंटी ने सच में फैसू को अनफॉलो किया यार यकीन ही नहीं हुआ।' एक अन्य ने कमेंट किया, 'मिस्टर फैसू को अनफॉलो क्यों?' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'यार जन्नत अभी तो आपको फैसू का साथ देना चाहिए था, मुझे लगता है कि वह इतना गौरव है सेलिब्रिटी मास्टर शेफ विनर है फैसू कितना डिप्रेस्ड हो गया है और आपने छोड़ दिया उसको तो अभी जरूरत थी आपकी।'

सेलिब्रिटी मास्टरशेफफैसल ने दिया था रिलेशनशिप का हिंट

सेलिब्रिटी मास्टरशेफमें फैसल शेख ने जन्नत के साथ अपने रिश्ते के बारे में इशारा दिया था। एक क्लिप जो सुर्खियां बटोर रही है, उसमें दीपिका कक्कड़, जो शो का हिस्सा थीं। उन्होंने पुष्टि की कि फैसल और जन्नत रिश्ते में थे। जब फराह ने फैसल के खाना पकाने की तारीफ की थी, तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा था 'इस शो के बाद तो मेरी पक्की शादी हो जाएगी।'

करीना कपूर ने फिल्मों में इंटीमेंट सीन्स को लेकर की खुल्लम खुल्ला बात

करीना कपूर को हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेसेज में गिना जाता है। अपनी शानदार अदाकारी और खूबसूरती के दम पर पर वह फैंस की फेवरेट भी मानी जाती हैं। इतना ही नहीं उनका बेबाक अंदाज भी उनको सबसे अलग और खास बनाता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान करीना से फिल्मों में दिखाए जाने वाले सेक्स और इंटीमेंट सीन्स को लेकर सवाल पूछा गया है। जिस पर एक्ट्रेस ने दो टूक बात की है और अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बताया है कि मूवी की कहानी के हिसाब से ये कितना जरूरी है या नहीं।

सेक्स सीन को लेकर क्या बोलीं करीना कपूर

दरअसल करीना कपूर ने मौजूदा समय में सेक्स एजुकेशन वेब सीरीज के लिए फेमस हॉलीवुड एक्ट्रेस गिलियन एंडरसन के साथ द डर्टी मैगजीन के मंच पर इंटीमेट सीन्स को लेकर खुलकर बात की। इस इंटरव्यू में गिलियन से करीना से पूछा कि आपने किस तरह से ऐसे सीन्स के लिए क्या सीमा तय की है। इस तरह से करीना कपूर ने ये साफ कर दिया है

कि वह फिल्मों में कामुकता से भरे दृश्य को दिखाए जाने और फिल्माने के फेवर में बिल्कुल भी नहीं हैं। मालूम हो कि करीना खुद चमेली और तलाश जैसी मूवीज में सेक्स वर्कर की भूमिका निभा चुकी हैं। इतना ही नहीं ओमकारा और कुर्बान जैसी फिल्मों में उनके इंटीमेट सीन्स भी देखने को मिले हैं।

इस मूवी में दिखेंगी करीना कपूर

बीते साल अजय देवगन की सिंघम अगेन के बाद से करीना कपूर बड़े पर्दे पर से गायब हैं। हालांकि इस साल उनकी फिल्म दायरा को रिलीज किया जा सकता है, जिसका निर्देशन राजी जैसी शानदार फिल्म बनाने वालीं निर्देशक मेघना गुलजार कर रही हैं। इस मूवी में करीना एक पुलिस ऑफिसर के रोल में दिख सकती हैं।

इन लोगों को भूलकर भी नहीं खाना चाहिए बैंगन, घर लाने से पहले एक बार जान लें ये बात

बैंगन कई लोगों को पसंद होता है. इस बैंगनी रंग की सब्जी में स्वादिष्ट स्वाद के साथ-साथ कई गुण भी होते हैं। इसे भर्ता या सब्जी के रूप में खाएं, यह हर तरह से स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें बैंगन नहीं खाना चाहिए क्योंकि यह उनके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। कई बार डॉक्टर भी गर्भावस्था के दौरान बैंगन खाने से बचने की सलाह देते हैं क्योंकि आमतौर पर इसका सेवन एमेनोरिया और प्रीमेंस्ट्रुअल डिसऑर्डर के इलाज के लिए किया जाता है।

बैंगन उन सब्जियों में से एक है जो स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह कई पोषक तत्वों से भरपूर है और कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि बैंगन को कुछ खाद्य पदार्थों के साथ मिलाकर खाने से शरीर को नुकसान हो सकता है। आइए जानें कि बैंगन के साथ कौन से खाद्य पदार्थ नहीं खाना चाहिए और किसे नहीं खाना चाहिए।

बैंगन में फोलेट, मैग्नीशियम, पोटेशियम, विटामिन बी 3, बी 6, बीटा कैरोटीन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। इसमें अधिक मात्रा में फाइबर होता है। फाइबर की उच्च मात्रा के कारण पेट जल्दी भरा हुआ महसूस होता है। इसके साथ ही यह अतिरिक्त वजन को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा, बैंगन ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का सुझाव है कि बैंगन को कुछ खाद्य पदार्थों के साथ नहीं खाना चाहिए।

कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि बैंगन खाते समय दूध पीना स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता है। दूध और बैंगन को एक साथ पचाना मुश्किल होता है। इससे कब्ज, पेट दर्द और अन्य पाचन समस्याएं हो सकती हैं। दूध पीने से, विशेषकर बैंगन युक्त भोजन खाने के बाद, पाचन क्रिया खराब हो सकती है तथा असामान्य लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं।

बैंगन की प्रकृति गर्म होती है, जबकि दही की प्रकृति ठंडी होती है। इन दो विरोधी गुणों को एक साथ खाने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि, इस बात पर कोई पूर्ण प्रमाण तो नहीं है, लेकिन कुछ शोध बताते हैं कि बैंगन को दही के साथ नहीं खाना चाहिए।

कई लोगों को भोजन के बाद चाय पीने की आदत होती है। लेकिन बैंगन खाने के तुरंत बाद चाय पीने से शरीर की आवश्यक पोषक तत्वों को अवशोषित करने की क्षमता कम हो जाती है। चाय एक टैनिन-समृद्ध पेय पदार्थ है, जो बैंगन में मौजूद लौह तत्व को ठीक से अवशोषित नहीं कर पाता। इससे एनीमिया की समस्या हो सकती है।

लाल मांस को पचाने की प्रक्रिया में काफी समय लगता है। इसी तरह बैंगन भी फाइबर से भरपूर होता है, इसलिए दोनों को एक साथ खाने से पेट में अपच की समस्या हो सकती है। इससे पेट में सूजन और अप्राकृतिक गैस की समस्या हो सकती है।

किसे बैंगन नहीं खाना चाहिए?

एनीमिया से पीड़ित लोगों के लिए बैंगन शरीर में लौह के अवशोषण को कम कर सकता है।

एलर्जी की समस्या- बैंगन कुछ लोगों के लिए त्वचा की समस्याएं, चकत्ते और श्वसन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है।

किडनी की समस्याएं।। बैंगन में मौजूद कुछ पदार्थ किडनी की पथरी की समस्या को और बढ़ा सकते हैं।

आंखों में जलन वाले लोग-अगर आपकी आंखों में किसी भी तरह की समस्या है और जलन या सूजन है, तो बैंगन का सेवन न करें।

बवासीर से पीड़ित लोग- अगर आप बवासीर से पीड़ित हैं तो बैंगन का सेवन न करें क्योंकि इससे आपकी समस्या बढ़ सकती है।

बैंगन स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। हालांकि, अगर इसका सेवन सही तरीके से नहीं किया जाए तो कुछ लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, बैंगन खाते समय उपरोक्त निर्देशों का पालन करना स्वास्थ्य के लिए उचित है।

रायपुर प्रेस क्लब के होली मिलन समारोह में मुख्यमंत्री साय हुए शामिल

प्रेस क्लब के रिनोवेशन के लिए 1 करोड़ रुपये की घोषणा पर पत्रकारों ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने का अवसर भी है। यह पर्व हमें छोटी-छोटी अनबन को भुलाकर नए सिरे से दोस्ती की शुरुआत करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में यह बात कही।

रंगों के बीच पत्रकारों संग झूमे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री साय का रायपुर प्रेस क्लब के सदस्यों ने अनूठे अंदाज में भिंडी की माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रेस क्लब के होली विशेषांक 'सेंसलेस टाइम्स' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर प्रेस क्लब में पर्वों को मिल-जुलकर मनाने की एक गौरवशाली परंपरा है। हर साल इस होली उत्सव में शामिल होने का अवसर मिलता है। मैं रायपुर प्रेस क्लब परिवार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। हर्ष और उल्लास से भरा यह पर्व आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करे, यही मेरी मंगलकामना है।

मुख्यमंत्री ने बजाया नगाड़ा, रंगों के उल्लास में झूमे पत्रकार

रायपुर प्रेस क्लब के होली मिलन समारोह में रंगों और उमंग का अनोखा नज़ारा देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खुद नगाड़ा बजाकर उत्सव का जोश दोगुना कर दिया। मुख्यमंत्री के नगाड़ा बजाते ही समारोह में मौजूद पत्रकारों और गणमान्यजनों ने तालियों से उत्साह बढ़ाया और पूरे माहौल में उल्लास की लहर दौड़ गई। पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की धुन पर मुख्यमंत्री भी पत्रकारों के साथ फाग गीतों और होली की मस्ती में झूमते नजर आए। होली के इस रंगीन माहौल में संगीत, उत्सव और आपसी भाईचारे का अनूठा संगम देखने को मिला।

पत्रकारों के लिए बड़ी सौगात, प्रेस क्लब के लिए 1 करोड़ का बजट प्रावधान

मुख्यमंत्री श्री साय ने रायपुर प्रेस क्लब की परंपरा को सराहते हुए कहा कि इस वर्ष के बजट में पत्रकारों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं, जो लोकतंत्र की मजबूती में अहम भूमिका निभाते हैं। रायपुर प्रेस क्लब को राजधानी की गरिमा के अनुरूप विकसित करने के लिए 1 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है, जिससे इसके भवन का रिनोवेशन और विस्तार किया जाएगा। इसके अलावा पत्रकारों के लिए एक्सपोजर विजिट की भी मांग उठी थी, जिसे पूरा करते हुए 1 करोड़ रुपये का अलग से बजट प्रावधान किया गया है।मुख्यमंत्री श्री साय ने वरिष्ठ पत्रकारों के कल्याण की चिंता करते हुए कहा कि लंबे समय तक पत्रकारिता के क्षेत्र में जनसेवा करने वाले साथियों को सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े, इसके लिए सरकार ने सम्मान निधि को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 20,000 रुपये प्रति माह कर दिया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुझे लगता है कि यह होली केवल रंगों और फाग की मस्ती का पर्व नहीं, बल्कि पत्रकार मित्रों के लिए भी बड़ी सौगात लेकर आई है।

महिला पत्रकारों के योगदान को सराहा

मुख्यमंत्री ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित विशेष कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अवसर पर उन्होंने महिला पत्रकारों का सम्मान किया और उनके संघर्ष व उपलब्धियों को करीब से समझने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि महिला पत्रकारिता में चुनौतियाँ बहुत हैं, लेकिन उनके हौसले और संकल्प भी उतने ही ऊँचे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के प्रहरी होते हैं, जिनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। ऐसे में उनके लिए इस तरह के सांस्कृतिक और मिलन समारोह जरूरी हैं, जिससे कार्य के दबाव से अलग हटकर परस्पर सौहार्द को बढ़ावा मिले। रायपुर प्रेस क्लब वर्षों से होली मिलन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता आ रहा है। यह परंपरा आगे भी जारी रहनी चाहिए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक अनुज शर्मा, विधायक सुनील सोनी, रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे,मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह, अमित चिमनानी, अनुराग अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और अधिकारीगण कार्यक्रम में शामिल हुए।

स्वसहायता समूह द्वारा तैयार हर्बल गुलाल को मिला कांकेर के बाजार में स्थान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के तहत गठित महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद हर्बल गुलाल उनकी आय का जरिया बन गया है। रंगों के पर्व होली में अब रसायनयुक्त रंग एवं गुलाल की जगह हर्बल रंग-गुलाल स्थान लेने लगा है, जिससे वे न सिर्फ पर्यावरण और स्वास्थ्य की सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही हैं, अपितु उन्हें जीविकोपार्जन का सशक्त माध्यम भी मिल गया है। समूह द्वारा निर्मित हर्बल रंग-गुलाल अब कांकेर के पुराना बस स्टैण्ड के समीप मुख्य मार्ग पर स्थित सी-मार्ट एवं कलेक्टर कार्यालय परिसर में खरीदा जा सकेगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी ने बताया कि कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में जिले के विकासखण्ड कांकेर, दुर्गूकोंदल, नरहरपुर एवं भानुप्रतापपुर में गठित 06 महिला स्वसहायता समूह की 45 महिला सदस्यों द्वारा प्राकृतिक रंग हर्बल गुलाल बनाया जा रहा है। इस हर्बल गुलाल की विशेषता यह है कि इसके प्राकृतिक पदार्थ जैसे पालक भाजी, धनिया के पत्ते, पलाश के फूल, गैंदे के फूल, हल्दी, मेहंदी की पत्ती, धंवई के फूल, चुकंदर, सिंदूर के बीज एवं अरारोट का आटा का उपयोग गुलाल तैयार करने में किया जाता है। चूंकि समूह द्वारा बनाये गये उत्पाद में शुद्धता शत-प्रतिशत होती है एवं विश्वसनीय होती है।

उन्होंने बताया कि गत वर्षों से जिले में बिहान योजना से जुड़े समूहों द्वारा हर्बल गुलाल बनाया जा रहा है।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम : निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। महासमुंद जिले के विकासखंड बसना स्थित अग्रवाल नर्सिंग होम में 07 मार्च को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जन्मजात हृदय रोग एवं आरएचडी (रूमेटिक हार्ट डिजीज) से प्रभावित 0 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में नारायणा हृदयालय एम.एम.आई. हॉस्पिटल, रायपुर के वरिष्ठ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. किंजल बक्शी एवं उनकी विशेषज्ञ टीम द्वारा ईको कार्डियोग्राफी मशीन से जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार शिविर के दौरान जिले के समस्त स्कूलों एवं आंगनबाड़ियों में चिरायु दलों द्वारा पूर्व-चिन्हित संभावित हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को विकासखंड कार्यालय के सहयोग से शिविर स्थल लाया गया। कुल 80 बच्चों की निःशुल्क ईको व अन्य महत्वपूर्ण जांच कराई गई, जिनमें से 45 बच्चों को उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थान में निःशुल्क सर्जरी हेतु चिन्हांकित किया गया। इनमें से तीन बच्चों की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल नारायणा हृदयालय एम.एम.आई. हॉस्पिटल, रायपुर में भर्ती कराया गया।

इस शिविर का आयोजन नारायणा हृदयालय एम.एम.आई. हॉस्पिटल रायपुर के सहयोग से किया गया। शिविर को सफल बनाने में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी. कुदेशिया, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती नीलू घृतलहरे एवं विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. नारायण साहू के कुशल निर्देशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिले के सभी चिरायु दलों के चिकित्सक, फार्मासिस्ट, एएनएम और लैब टेक्नीशियन भी इस शिविर में सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। इस शिविर के माध्यम से जिले के कई जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क उन्नत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे उन्हें एक स्वस्थ जीवन जीने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत इस प्रकार के शिविर आगे भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को समय पर इलाज मिल सके।

किसानों के लिए वरदान साबित होगी एग्रीस्टैक योजना, कृषि विभाग द्वारा पंजीयन कार्य जारी, कृषकों से जल्द से जल्द पंजीयन कराने की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। किसानों के लिए वरदान साबित होगी एग्रीस्टैक योजना, कृषि विभाग द्वारा पंजीयन कार्य जारी, कृषकों से जल्द से जल्द पंजीयन कराने की अपील किसानों को सरकारी योजनाओं का सीधा और पारदर्शी लाभ दिलाने के उद्देश्य से एग्रीस्टैक योजना के तहत कृषक पहचान पत्र (कृषक आईडी) बनाएं जा रहे हैं। पंजीयन के माध्यम से कृषि भूमि धारक की पहचान को भूमि स्वामित्व के साथ जोड़कर सत्यापित किए जा रहे हैं, जिससे किसान बिना किसी बाधा के शासन के हितग्राही मूलक विभिन्न योजनाओं कालाभ प्राप्त कर सकें।

एग्रीस्टैक के तहत पंजीकृत किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पीएम फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), उर्वरक अनुदान, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना जैसी केंद्र सरकार की योजनाओं के अलावा मृदा स्वास्थ्य कार्ड, कृषि ऋण योजना, मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना, कृषि मशीनीकरण जैसी राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ भी मिलेगा। इसके साथ ही, आईसीसीसी, राष्ट्रीय पेस्ट सर्विलांस सिस्टम, बीज ट्रेसिबिलिटी प्रणाली और किसान कॉल सेंटर जैसी उन्नत डिजिटल सेवाएं भी किसानों के लिए सुलभ होंगी।

जिले में कृषक पंजीयन को गति देने के लिए 6 नवंबर 2024 को राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसके बाद 3 दिसंबर 2024 को जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनरों द्वारा तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पटवारी, कृषि विभाग के अधिकारियों सहित अन्य संबंधित कर्मचारियों को संयुक्त कलेक्टर श्री राम सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में प्रशिक्षित किया गया। जिले में पीएम किसान योजना के तहत 90 हजार 525 किसानों के पंजीयन का लक्ष्य रखा गया है। जिले में अब तक 22हजार 878 किसानों का पंजीयन पूरा हो चुका है। शेष किसानों के पंजीयन के लिए शिविरों का आयोजन कर कार्य किए जा रहे हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि जल्द से जल्द सभी पात्र किसानों का पंजीयन कर उन्हें योजनाओं का सीधा लाभ दिलाया जाए। कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने किसानों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपना पंजीयन कराएं, जिससे उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिल सके। इसके लिए किसान अपने नजदीकी तहसील, ग्राम पंचायत या कृषि कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने किया 'गुलाल' होली विशेषांक का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में श्रमजीवी गिल्ड फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित होली विशेषांक 'गुलाल' का विमोचन किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने 'गुलाल' विशेषांक की सराहना करते हुए इसके प्रकाशन के लिए फाउंडेशन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि होली उल्लास, प्रेम और सौहार्द का पर्व है, और यह विशेषांक भी इन्हीं मूल्यों को आगे बढ़ाने का कार्य करेगा। जैसे होली के रंग आपसी भाईचारे और सकारात्मकता का प्रतीक होते हैं, वैसे ही यह पत्रिका समाज में खुशियों का संचार करेगी।

फाउंडेशन के सदस्यों ने मुख्यमंत्री श्री साय को अवगत कराया कि अब तक 'गुलाल' विशेषांक का प्रकाशन कोरिया और सरगुजा से होता रहा है, लेकिन इस बार इसे राजधानी रायपुर से प्रकाशित किया गया है।

इस अवसर पर आर.के. गांधी, दीपक विश्वकर्मा, जगजीत सिंह, श्रीकांत यदु एवं सुश्री जिज्ञासा चंद्रा सहित अन्य गणमान्य पत्रकार उपस्थित थे।

दो दिवसीय एनक्यूएस प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

दो दिवसीय एनक्यूएस प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। एनक्यूएस कार्यक्रम प्रशिक्षण के गुणवत्ता में वृद्धि के उद्देश्य से दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन 10 एवं 11 मार्च को अम्बिकापुर में किया गया।

जिसके अंतर्गत कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति विलास भोसकर के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को के मार्गदर्शन में डॉ. गजेंद्र सिंह स्वास्थ्य विशेषज्ञ यूनिसेफ के सहयोग से समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में जिले के चिकित्सा अधिकारियों, आरएमए स्टाफ नर्स, लैब टेक्निशियन एवं फार्मासिस्ट ने भाग लिया।

कार्यक्रम में यूनिसेफकी ओर से डॉ. अक्षय तिवारी राष्ट्रीय मूल्यांकनकर्ता द्वारा विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को ने कहा, यह ट्रेनिंग हेल्थकेयर गुणवत्ता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा एवं यह प्रशिक्षण स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। ट्रेनिंग में जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री पुष्पेंद्र राम, जिला आरएमएनसीएचए सलाहकार डॉ. प्रीति मानिक, अस्पताल सलाहकार श्रीमती स्वस्ति शुक्ला, लैब तकनीशियन नवीन सिंह, एनसीडी सलाहकार श्रेखर राय एवं जिला प्रोग्राम प्रबंधन टीम के सहायकों से सफलता पूर्वक आयोजन किया गया।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

रायपुर में लकड़ी के ढेर में लगी आग, मचा हड़कंप

रायपुर। रायपुर में एक बस्ती में खाली जमीन पर पड़े लकड़ी के ढेर में अचानक आग लग गई। आग लगने से आसपास के घरों में धुएं का गुबार घुसने लगा। जिसके बाद लोगों ने आनन-फानन में अपने घरों की टंकियों से पानी लेकर लकड़ी के ढेर में डाला। फिर कुछ देर बाद आग पर कंट्रोल पा लिया गया। मामला गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के बड़ा अशोक नगर का है। जानकारी के मुताबिक, घटना बुधवार की दोपहर को करीब 3 बजे की है। बड़ा अशोक नगर की गलियों में एक खाली जमीन पर पेड़ काटने के बाद लकड़ी के बड़े ढेर को रखा गया था। जिसमें अचानक आग की लपटें उठने लगी। जब धुआं आसपास के घरों के भीतर घुस गया। लोगों ने अपने घरों के छत में टंकियां से पानी लेकर आग बुझाना शुरू किया। लोगों के सूझबूझ से आग फैलने से रुक गई। जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। आसपास के रहवासियों का कहना है कि, किसी असामाजिक तत्व ने आग लगाई है। फिलहाल, इस घटना से कोई भी व्यक्ति हताहत नहीं हुआ है। इस मामले में गुढ़ियारी पुलिस को सूचना दी गई है।

2 माह के मासूम को झाड़ियों में फेंका, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। अमलेश्वर के ग्रीन अर्थ सिटी के पास एक 2 माह की मासूम झाड़ियों में मिली है। फिलहाल बच्ची की तबियत स्वस्थ है और उसे आगे की उपचार हेतु 108 टीम द्वारा मेकाहारा अस्पताल में एडमिट कराया गया है। जानकारी के अनुसार बुधवार आज सुबह मॉर्निंग वॉक करते समय ग्रीन अर्थ सिटी अमलेश्वर के सामने डीह रोड़ पर एक लावारिस बच्ची एमएम जैन को रोते हुए दिखाई दी। उन्होंने मॉर्निंग वॉक पर निकले अपने मित्र विकास पंसारे और नारायण शर्मा को इसकी सूचना दी। बच्ची को एक थैले में ढंककर फेंका गया था। बच्ची को चींटियां काट रही थी। इसके बाद बच्ची को झाड़ियों से बाहर लेकर आए और 108 को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही 108 के पायलट रविंद कुमार और ईएमटी विनोद कुमार तुरंत मौके पर पहुंचें और बच्ची को ऑक्सीजन सपोर्ट व प्राथमिक उपचार करते हुए मेकाहारा अस्पताल में लेकर आएं।

रेलवे ट्रैक पर मिली युवक की लाश, हत्या की आशंका

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक युवक की लाश लहूलुहान हालत में रेलवे ट्रैक पर मिली है। आशंका जताई जा रही है कि, उसकी धारदार हथियार से हत्या की गई है, क्योंकि ट्रेन से कटने के कोई निशान नहीं मिले हैं। घटना चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार की सुबह करीब 9 बजे जामंगा स्थित एमएसपी फैक्ट्री के पास रेलवे क्रॉसिंग के आगे पटरी पर युवक की लाश पड़ी थी। उसके गले और सीने के पास से खून निकल रहा था। जिसे देखने के बाद आसपास के लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। युवक की उम्र करीब 35 साल के आस-पास होगी, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। इस मामले में चक्रधर नगर थाना प्रभारी प्रशांत राव आहेर ने बताया कि, मामला हत्या का लग रहा। गले-सीने में धारदार हथियार के निशान है। संभवत: मृतक ड्राइवर है। फिलहाल, मामले की जांच की जा रही है।

शराब दुकान से 78 लाख की लूट, आरोपियों पर रखा गया 30 हजार का इनाम

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा के खोखरा क्षेत्र में शराब दुकान के पास 78 लाख रुपए की लूट के दो महीने बाद भी बदमाश पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। लगभग 60 दिन बीत चुके हैं, लेकिन आरोपियों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस ने आरोपियों पर 30 हजार रुपए के इनाम की घोषणा किया है। यह मामला खोखरा क्षेत्र का है। इस टीम में मेन कलेक्शन एजेंट धीरज सिंह के साथ ड्राइवर अमन सिंह और एक सिक्योरिटी गार्ड शैलेंद्र सिंह शामिल थे।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में 17 मार्च से लागू होंगे नये रोस्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में न्यायिक कार्यों के सुचारु संचालन के लिए 17 मार्च से नए रोस्टर लागू किए जाएंगे। इस बदलाव के तहत 4 डिवीजन बेंच और 13 सिंगल बैंच में न्यायाधीशों के कार्यों का विभाजन किया गया है। हाईकोर्ट प्रशासन ने इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है।

हाईकोर्ट में इस बार चार डिवीजन बेंच का गठन किया गया है। जिनमें विभिन्न प्रकार के मामलों की सुनवाई होगी। डिवीजन बेंच एक में मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल होंगे। इस पीठ में लोकहित याचिकाओं (पीआईएल), रिट अपीली, बंदी प्रायक्षीकरण याचिकाओं। हैवियस कार्यस), आपराधिक संदर्भ मामलों, कर संबंधी मामलों एवं अन्य महत्वपूर्ण संवैधानिक मामलों की सुनवाई होगी।

डिवीजन बेंच दो में जस्टिस संजय के अग्रवाल एवं जस्टिस संजय कुमार जायसवाल होंगे। इस पीठ की 2021 से संबंधित आपराधिक अपीलों, आपराधिक अवमानना याचिकाओं, धारा 482 दड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएनएस) के एफआईआर निरस्तीकरण से संबंधित मामलों की सुनवाई का अधिकार दिया गया है। डिवीजन बेंच तीन में जस्टिस संजय अग्रवाल एवं जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल होंगे। इस पीठ में कर मामलों से संबधित रिट अपीले, व्यावसायिक अपीलीय खंडपीठ (कमर्शियल अपील बेंच के अंतर्गत आने वाले वाणिज्यिक विवादी एवं दीवानी मामलों की सुनवाई होगी।

डिवीजन बेच चार में जस्टिस रजनी दुबे एवं जस्टिस सचिन सिंह राजपूत होंगे। उस पीठ में 2019 से 2020 तक की आपराधिक अपीले, विशेष रूप से सौंपे गए मामले एवं संवैधानिक न्यायाधिकरणों (ट्रिब्यूनल्स) के आदेशों के विरुद्ध अपीलों की सुनवाई होगी। हाईकोर्ट में कुल 13 सिंगल बेच पुनर्गठित की गई है, जिनमें विभिन्न प्रकार के दीवानी, फौजदारी, सेवा एवं कर मामलों की सुनवाई होगी।

इन अलग-अलग बेंचों में ये जस्टिस करेंगे सुनवाई

- सिंगल बेच एक में जस्टिस संजय के अडवात मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम के तहत मामलों, थारा 482 सीआरपीसी एवं बीएनएनएस से संबंधित मामलों की सुनवाई करेंगे।
- सिंगल बेच दो में जस्टिस संजय अग्रवाल 2013 से 2017 तक की आपराधिक पुनरीक्षण याचिकाएं एवं 2022 से 2024 तक के आपराधिक अपीलों की सुनवाई करेंगे।
- सिंगल बेच तीन में जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू 2017 से 2021 तक की सेवा से जुड़ी याचिकाएं एवं वाहन दुर्घटना दावों से संबधित अपीलों की सुनवाई करेंगे।
- सिंगल बेंच चार में जस्टिस रजनी दुबे 2017 में 2019 तक की सेवा याचिका एवं दीवानी अपीलों की सुनवाई करेंगी।
- सिंगल वेच पांच में जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास 2020 तक के दीवानी पुनरीक्षण (सिविल रिवीजन) एवं 2022 से 2024 तक की आपराधिक अपीलों की सुनवाई करेंगे।
- छठे सिंगल बेंच में जस्टिस नरेश कुमार चंदवशी 2013 से 2022 तक की दीवानी अपीले एवं अन्य असाइन किए गए मामलों की सुनवाई करेंगे।
- सातवें जिंगल बेंच में जस्टिस दीपक कुमार तिवारी 2015 से 2018 तक की दीवानी अपीलें एवं सेवा मामलों की सुनवाई करेंगे।
- आठवें सिंगल बेंच में जस्टिस सचिन सिंह राजपूत 2022 से संबंचित नई सेवा याचिकाएं एवं विशेष मामलों की सुनवाई करेंगे।
- नीचे सिंगल पेंच में जस्टिस राकेश मोहन पाडेय 2019 से 2021 तक की दीवानी अपील एवं विशेष रूप से सौंपे गए सामले सुनेंगे।
- दसवें सिंगल बेंच में जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल सभी प्रकार की जमानत याचिकाजों एवं विशेष मामलों की सुनवाई करेंगे।
- 11वें सिंगल बेच में जस्टिस संजय कुमार जायसवाल अनुसूचित जाति-जनजाति आपाचार निवारण अधिनियम से जुड़े अपीलों की सुनवाई करेंगे।
- 12वें सिंगल बैंच में जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा दीवानी अपीले एवं 2017 के बाद के आपराधिक पुनरीक्षण मामले सुनेंगे।
- 13वें सिंगल बेंच में जॉस्टेस विभु दत्ता गुरु 2021 से संबंधित सभी प्रकार की आपराधिक अपीलें एवं सेवा मामलों की सुनवाई करेंगे।
- इसके अलावा जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में विशेष पीठ (स्पेशल बंच) का गठन किया गया है, जी विशेष मामलों की सुनवाई करेगी। सभी प्रकार के अवमानना याचिकाओं एवं एफआईजार निरस्तीकरण से जुड़े मामलों को अलग-अलग बेंचों में विभाजित किया गया है। नया रोस्टर 17 मार्च 2025 से प्रभावी रहेगा और अगले आदेश तक लागू रहेगा।

नक्सलियों को पैसा भेजने वाला सहयोगी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला-मानपुर। छत्तीसगढ़ में पुलिस और आईटीबीपी की टीम को नक्सल मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। नक्सलियों की मदद करने वाले मोहन घावड़े को गिरफ्तार किया है। आरोपी ट्रैक्टर ट्रॉली को किराए में चलाता था और नक्सल संगठन को पैसे भेजता था। पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई मदनवाड़ा इलाके में की गई। गिरफ्तार आरोपी मोहन घावड़े, कांकेर जिले के इरीगबूटा गांव का निवासी है और बस्तर क्षेत्र में नक्सलियों के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा था। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में अहम जानकारियां मिल सकती हैं। गौरतलब है कि कुछ माह पहले पुलिस ने ट्रैक्टर के इंजन समेत अन्य नक्सल सहयोगियों को गिरफ्तार किया था। कार्रवाई में जब्त की गई ट्रैक्टर-ट्रॉली को लेवी रकम से ली खरीदी गई थी। वहीं इसे किराए पर चलवाकर नक्सल संगठनों को पैसे भेजे जाते थे। यह रकम नक्सली विचारधारा के प्रचार-प्रसार और अन्य गतिविधियों में इस्तेमाल होती थी। पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई मदनवाड़ा इलाके में की गई। गिरफ्तार आरोपी मोहन घावड़े, कांकेर जिले के इरीगबूटा गांव का निवासी है और बस्तर क्षेत्र में नक्सलियों के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा था। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में अहम जानकारियां मिल सकती हैं। गौरतलब है कि कुछ माह पहले पुलिस ने ट्रैक्टर के इंजन समेत अन्य नक्सल सहयोगियों को गिरफ्तार किया था। कार्रवाई में जब्त की गई ट्रैक्टर-ट्रॉली को लेवी रकम से ली खरीदी गई थी। वहीं इसे किराए पर चलवाकर नक्सल संगठनों को पैसे भेजे जाते थे। यह रकम नक्सली विचारधारा के प्रचार-प्रसार और अन्य गतिविधियों में इस्तेमाल होती थी।

चाकू के साथ बदमाश गिरफ्तार

धमतरी। सिटी कोतवाली थाना पेट्रोलिंग पर रवाना हुआ था तभी रामबाग धमतरी के पास मुखबिर से सुचना प्राप्त हुआ की अजीत सोना उर्फ टीमा नाम का व्यक्ति विंध्यवासिनी वार्ड,खेड़िया तालाब पार धमतरी में अपने हाथ में एक धारदार चाकू को लहराते हुये आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा की सूचना पर तत्काल कोतवाली पुलिस टीम मुखबिर के बताये विंध्यवासिनी वार्ड,खेड़िया तालाब पार धमतरी के पास पहुंचकर देखे तो एक द्वारा धारदार हथियार चाकू को अपने हाथ लेकर आम जगह पर लहरा रहा था जिसे देखकर आने जाने वाले लोगो में भय व्याप्त था। उक्त व्यक्ति को गवाहों के समक्ष घेराबंदी कर पकड़ा गया।

सड़क हादसे के बाद हुआ गौ- तस्करी का खुलासा

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। अंबिकापुर के मणिपुर थाना क्षेत्र में बीती रात सड़क हादसे के बाद गौ- तस्करी का खुलासा हुआ। तेज रफ्तार पिकअप एवं ट्रक के बीच अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्यमार्ग में भिड़ंत हो गइई। हादसे के बाद दोनों वाहनों के चालक फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने पिकअप की जांच की तो उसमें 10 गायों को क्रूरतापूर्वक बांधकर रखा गया था। पुलिस एवं गौसेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने गायों को मुक्त किया। एक गाय की मौत भी हो गई है।

पुलिस ने इस मामले में पशु क्रूरता का अपराध दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाइवे 130, अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग पर सांडबार बेरियर के पास बीती रात करीब 1 बजे एक ट्रक और पिकअप वाहन के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों वाहन चालक मौके से भाग निकले। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तो पिकअप में गायें बंधी हुई मिलीं। गायों के पैरों को क्रूरतापूर्वक बांधा गया था। पिकअप में 10 गायों को ठूंसकर भरा गया था। मौके पर माँ महामाया पुनर्वास केंद्र, गौ सेवा मंडल और बेजुबान संस्थान के सदस्यों ने पुलिस की मदद से गायों को मुक्त कराया। जिस तरह से तस्करों ने गायों के चारों पैर कसकर बांध रखे थे और उन्हें ठूंसकर पिकअप में भरा था, उससे अंदेशा है कि गायों को बूचड़खाने ले जाया जा रहा था। पिकअप में ही एक गाय की मौत हो गई थी। नौ अन्य गायों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

पुलिस ने सभी जीवित गायों को नगर निगम के काऊ कैचर वाहन में लोड कर गौशाला गौ आश्रय धाम के सुपुर्द कर दिया। फिलहाल, फरार वाहन चालकों और तस्करों की तलाश जारी है। मामले में एएसपी अमोलक सिंह ने बताया कि रात डेढ़ बजे मणिपुर पुलिस को गायों के तस्करी की सूचना मिली थी। एक गाय की मौत हो चुकी है। पुलिस को गायों को कोलकाता ले जाने की सूचना मिली है। मामले में पशु क्रूरता अधिनियम 11 टी एवं छत्तीसगढ़ कृषक पशु पर्यवेक्षण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पिकअप वाहन को पुलिस ने जब्त कर लिया है। चालक घटना के बाद से फरार है।

युवती से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। मौदहापारा पुलिस ने बलात्कार के आरोपी को तात्कालिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त किया ल प्रार्थिया/पीडिता द्वारा 11 मार्च को लिखित शिकायत पेश की जिसमे लेख है कि आरिफ खान द्वारा प्रार्थिया/पीड़िता को शादी का प्रलोभन देकर प्रार्थिया/पीडिता के साथ केके रोड मौदहापारा के होटल में ले जाकर 2 दिसंबर 2024 से 7 मार्च 2025 तक शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा है। अब शादी करने से इंकार कर रहा है, तथा शादी हेतु कहने पर कमरे में बंद कर मारपीट भी किया है कि प्रार्थिया/पीडिता की लिखित शिकायत पर थाना मौदहापारा जिला रायपुर में अपराध क्रमांक 42/2025 धारा 64, 64(2)(एम), 69, 115(2), 127(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। थाना मौदहापारा पुलिस द्वारा आरोपी आरिफखान का पता तलाश कर एक घंटे के अंदर हिरासत में लिया गया।

झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से हुई महिला की मौत

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही का नतीजा सामने आया है। बसंतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भलोईझोर में एक महिला को शरीर में दर्द की शिकायत थी, लेकिन इलाज कराने गई तो वापस घर नहीं लौट पाई। झोलाछाप डॉक्टर ने उसे इंजेक्शन लगाया, जिसके तुरंत बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और देखते ही देखते उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मृतिका लक्ष्मीनिया (58 वर्ष) के शरीर में दर्द था, जिसके चलते परिवार ने गांव के झोलाछाप डॉक्टर विनोद वर्मा से इलाज कराया।

बस ने बाइक सवार युवकों को मारी जोरदार टक्कर, दो लोग गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। पथरिया मोड़ के पास बस ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को गंभीर हालत में स्वास्थ्य केंद्र तखतपुर लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर सिम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम समडील नवापारा निवासी मुस्कान लश्कर उम्र 26 वर्ष अपने साथी हेमेंद्र मेहर पिता परदेसी मेहर उम्र 25 वर्ष के साथ बाइक पर बैठकर मुंगेली की ओर जा रहे थे तभी पथरिया मोड़ के पास विपरीत दिशा से आ रही बस ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

वहीं, टक्कर जबरदस्त थी कि बाइक दो टुकड़ों में बंट गई। आसपास के लोगों की मदद से दोनों युवकों को गंभीर स्थिति में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर सिम्स रेफर कर दिया है।

सप्लायर ने की 3.15 करोड़ की ठगी, मामला दर्ज

बिलासपुर। बिलासपुर के कारोबारी को दवाइयां और सर्जिकल आइटम की सप्लाई करने का झांसा देकर गुवाहाटी के सप्लायर ने 3 करोड़ 15 लाख रुपए की ठगी कर ली। कारोबारी से उसने एडवांस बतौर किश्तों में पैसे ले लिया, जिसके बाद न तो मेडिकल सामानों की सप्लाई की और न ही पैसे वापस किए। इस मामले में पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। मामला सिरगिट्टी थाना क्षेत्र का है। तिफरा के आर्या कॉलोनी में रहने वाले राकेश खरे दवाई और सर्जिकल आइटम के सप्लायर हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि साल 2021 में असम के गुवाहाटी में रहने वाले नरेंद्र सिन्हा से उनकी मुलाकात हुई थी।

उसने खुद को उत्तरी कछार हिल्स स्वायत्त जिला परिषद यानी कि दिमा हसाओ के काउंसिल का मेंबर बताया। साथ ही व्यापार में राकेश की मदद करने की बात कही। उसने मई में दिमा हसाओ से फेस मास्क, पीपीई किट, ग्लब्स के ऑर्डर की कॉपी भेजी और बताया कि यह ऑर्डर 14 करोड़ का था। राकेश खरे को उसने गुवाहाटी में विवेक फुकान, हिरेंद्र सिन्हा से मुलाकात कराई और बताया कि दोनों फेस मास्क, पीपीई किट, ग्लब्स का सप्लायर है। उनसे सामान खरीदी करने के लिए एडवांस पैसे दिला दिया। साथ ही बड़ा ऑर्डर मिलने की का झांसा दिया।

कुसमुंडा खदान में हादसा: 25 फीट ऊपर से गिरने से वेल्डर की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कुसमुंडा खदान में 25 फीट ऊपर से गिरने से एक कर्मचारी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कोल शिफ्टिंग वाले मशीन पर वेल्डर लगभग 25 फीट ऊपर काम कर रहा था। इस दौरान अचानक नीचे गिर गया और घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

इस हादसे के बाद देखते ही देखते खदान में मजदूरों की भीड़ एकत्रित हो गई और कंपनी के खिलाफजमकर नारेबाजी की गई। जहां इसकी सूचना तत्काल कुसमुंडा थाना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंचे घटनाक्रम की जानकारी दी गई। वहीं, पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल रवाना किया गया।

बताया जा रहा है कि मृतक किशन कुमार (26) कोल शिफ्टिंग वाली मशीन पर ऊपर वेल्डिंग का काम कर रहा था। उसके साथ एक और कर्मचारी था, दोनों वेल्डिंग का काम कर रहे थे और काम के दौरान वह अनियंत्रित हो गया और नीचे गिर गया। जहां उसके सिर पर चोट आने के कारण घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे में बड़ी लापरवाही सामने आई है। इस कंपनी की कहें या फिर कर्मचारियों की जो बिना सुरक्षा उपकरणों के ही इतनी ऊंचाई पर काम कर रहा था और हादसे का शिकार हो गया।

वहीं, इसके अलावा कोई ऐसे कर्मचारी भी मिले जो बिना हेलमेट टोपी के और सुरक्षा उपकरण के खदान में काम कर रहे थे। कहीं न कहीं संबंधित विभाग इस संबंध में लापरवाही बरत रहा है जिसके चलते यह हादसा हुआ है। इस मामले में कुसमुंडा थाना प्रभारी रूपक शर्मा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए आगे की कार्रवाई की। वहीं, इस संबंध में कंपनी के कर्मचारियों से भी बातचीत की गई और बयान दर्ज किया गया है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बेमेतरा

संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-15 (प्रथम बार)

क्रमांक/4609/व.ले.लि./ग्रायांसेवा/2024-25 बेमेतरा, दिनांक 11.03.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 26.03.2025 तक ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	ठेके की अनुमानित लागत (लाख रू. में)
1.	नगर पंचायत नवागढ़ में सामुदायिक भवन निर्माण (साहू मोहल्ला में) वि.ख. नवागढ,	47.51

निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति (परिशिष्ट 2.10) एवं निविदा दस्तावेज (परिशिष्ट 2.13) यथा संशोधित व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in अथवा कार्यालयीन अवधि में उपस्थित होकर दिनांक 12.03.2025 से देखी/डाउनलोड की जा सकती है।

(महाजन बांधड़े)
कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग बेमेतरा

जी-242505924/4

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202503101000056

विषय:- ब-121 मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:- 2024-2025
छावनी प.ह.न. 00047 (हे.)
पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार-प्रीती, अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदक- प्रीती पिता/पति/विभाग-नायडूमारन पता-शांति पारा कैम्प 01 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा अपना स्वयं का जन्म दिनांक 30/01/1995 को शांति पारा कैम्प 01 भिलाई भिलाई तहसील व जिला दुर्ग में होने से जन्म प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन पत्र के समर्थन में अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया है। 02 प्रकरण दर्ज हो। 03 ईश्तहार का प्रकाशन हो। 04 दो गवाह का कथन अंकित किया जावे।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 25/03/2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/03/2025 को जारी किया जाता है।

पंचराम सलामे
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मुख्यमंत्री ने किया 'बस्तर पंडुम 2025' का लोगो अनावरण

बस्तर में शांति स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा बस्तर पंडुम : मुख्यमंत्री साय

बस्तर के असल जीवन को करीब से जानने-समझने का मिलेगा अवसर

बस्तर पंडुम 2025: लोक संस्कृति और परंपराओं का भव्य उत्सव

बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने की अनूठी पहल है बस्तर पंडुम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर के लोग जीवन का हर पल उत्सव की तरह जीते हैं और अपनी खुशी की अभिव्यक्ति के लिए उनके पास समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। बस्तर में शांति स्थापना के लिए हम तेजी से अपने कदम बढ़ा रहे हैं और बस्तर पंडुम के माध्यम से बस्तर के लोकजीवन और लोकसंस्कृति को सहेजने के साथ ही उनकी उत्सवधर्मिता में हम सहभागी बनेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा परिसर स्थित समिति कक्ष में मांदर की थाप पर नाचते कलाकारों की मौजूदगी में बस्तर पंडुम 2025 के लोगो का अनावरण किया और यह बातें कही। उन्होंने बस्तर पंडुम के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आयोजन सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ ही बस्तर के प्रतिभाशाली कलाकारों को सशक्त मंच प्रदान करेगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बस्तर पंडुम के बुकलेट का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद बस्तर का विकास और वहां के लोगों को मुख्य धारा से जोड़ना हमारी सर्वोच्च्च प्राथमिकता में शामिल रहा है। बस्तर को माओवाद से मुक्त करने की दिशा में हमने तेजी से अपने कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक और हाल ही में आयोजित अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन में भी बस्तर वासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। यह दर्शाता है कि बस्तर वासियों का विश्वास लगातार शासन के प्रति बढ़ा है और वे क्षेत्र में शांति और अमन-चैन चाहते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने बजट में नक्सली हिंसा से ग्रसित रहे पुवर्ती गांव में भी अस्पताल खोलने का बड़ा निर्णय लिया है। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से हम बस्तर वासियों के मूलभूत जरूरत को तेजी से पूरा कर रहें हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर के लोग अपनी सादगी के लिए जाने जाते हैं और हर मौके को अपने खास अंदाज में सेलिब्रेट करते हैं । बस्तर पंडुम के माध्यम से बस्तर के असल जीवन को और करीब से देखा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम में नृत्य, गीत, लोककला, लोकसंस्कृति, नाट्य, शिल्प, रीति- रिवाज, परंपरा और व्यंजन सहित विभिन्न 7 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। श्री साय ने कहा कि बस्तर में खुशहाली हो, लोग भयमुक्त होकर अपने अंदाज में जिये और उन्हें शासन की सभी सुविधाओं का लाभ मिले।

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, विधायक किरण देव, विधायक सुश्री लता उसेंडी, विधायक विनायक गोयल, संस्कृति विभाग के सचिव अन्बलगन पी. और संचालक संस्कृति विवेक आचार्य मौजूद रहे।

नृत्य, गीत समेत 07 प्रमुख विधाओं पर केंद्रित होगा आयोजन

''बस्तर पंडुम 2025'' में जनजातीय नृत्य, गीत, नाट्य, वाद्ययंत्र, पारंपरिक वेशभूषा एवं आभूषण, शिल्प-चित्रकला और जनजातीय व्यंजन एवं पारंपरिक पेय से जुड़ी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। ये स्पर्धाएं तीन चरणों में संपन्न होंगी। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता 12 से 20 मार्च, जिला स्तरीय प्रतियोगिता 21 से 23 मार्च, संभाग स्तरीय प्रतियोगिता दंतेवाड़ा में 1 से 3 अप्रैल तक सम्पन्न होगी। प्रत्येक स्तर पर प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

बस्तर की पहचान को दर्शा रहा है बस्तर पंडुम का लोगो

बस्तर पंडुम के लोगो में बस्तर के लोकजीवन को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया है और यह उनकी सांस्कृतिक पहचान से गहरे से जुड़ा हुआ है। बस्तर के विरासत को बहुत ही कलात्मक ढंग से दिखाने का प्रयास इसमें किया गया है। बस्तर पंडुम गोंडी का शब्द है जिसका अर्थ है बस्तर का उत्सव। प्रतीक चिन्ह में बस्तर की जीवनरेखा इंद्रावती नदी, चित्रकूट जलप्रपात, छत्तीसगढ़ का राजकीय पशु वनभैंसा, राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना, बायसन हॉर्न मुकुट, तुरही, ढोल, सल्फी और ताड़ी के पेड़ को शामिल गया है। इस प्रतीक चिन्ह के माध्यम से सरल, सहज और उम्मीदों से भरे अद्वितीय बस्तर को आसानी से जाना और समझा जा सकता है।

परंपराओं पर आधारित आयोजन होंगे प्रमुख आकर्षण

बस्तर पंडुम में बस्तर की पारंपरिक नृत्य-शैली, गीत, रीति-रिवाज, वेशभूषा, आभूषण और पारंपरिक व्यंजनों का शानदार प्रदर्शन होगा। प्रतियोगियों के प्रदर्शन को मौलिकता, पारंपरिकता और प्रस्तुति के आधार पर अंक दिए जाएंगे। आयोजन में समाज प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ नागरिकों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। प्रतियोगिता के विजेताओं के चयन के लिए एक विशेष समिति बनाई गई है, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ आदिवासी समाज के वरिष्ठ मुखिया, पुजारी और अनुभवी कलाकार शामिल रहेंगे। इससे प्रतियोगिता में पारदर्शिता बनी रहेगी और पारंपरिक लोककला को न्याय मिलेगा।

मुख्यमंत्री साय से तमिलनाडु के किसानों ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज विधानसभा स्थित उनके कार्यालय में तमिलनाडु कावेरी फार्मर्स प्रोटेक्शन एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान तमिलनाडु के किसानों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक रूप से धान और पान से बनी माला पहनाकर अभिनंदन किया और अपनी परंपरा के अनुरूप रेड बनाना (लाल केला), आम, नारियल के पौधे और कटहल उपहार स्वरूप भेंट किए। इस आत्मीय स्वागत के लिए मुख्यमंत्री श्री साय ने किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के सचिव श्री अन्बलगन पी उपस्थित थे।

मुलाकात के दौरान तमिलनाडु के किसानों ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को दिए जा रहे देश के सर्वाधिक धान मूल्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की नीति किसानों के लिए एक मिसाल है। इस पहल को किसानों की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए उन्होंने कहा कि जब किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य मिलता है, तो वे न केवल अधिक उत्पादन के लिए प्रेरित होते हैं, बल्कि खेती को एक स्थायी आजीविका के रूप में भी देख सकते हैं।

एसोसिएशन के महासचिव श्री स्वामीमलाई सुंदर विमलनाथन ने मुख्यमंत्री की इस नीति की सराहना करते हुए कहा कि उचित समर्थन मूल्य किसानों को आश्वस्त करता है कि उनकी मेहनत का सही मूल्य मिलेगा। जब मूल्य उत्पादन लागत से मेल खाता है, तो किसान निडर होकर खेती कर सकते हैं और अपनी आजीविका को समृद्ध बना सकते हैं। छत्तीसगढ़ का यह कदम पूरे देश में मिसाल बन सकता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का संकल्प किसानों को उनकी मेहनत का पूरा लाभ दिलाना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। धान के लिए उच्चतम समर्थन मूल्य और समय पर भुगतान हमारी प्राथमिकता है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि किसान न केवल आत्मनिर्भर बनें बल्कि समृद्ध भी हों।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लागू की गई यह नीति राज्य में धान उत्पादन को नए उच्च स्तर तक ले जा रही है। किसान हितैषी योजनाओं के कारण प्रदेश में धान का उत्पादन लगभग 1.50 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो राज्य के कृषि क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस अवसर पर एसोसिएशन के महासचिव स्वामीमलाई सुंदर विमलनाथन के साथ चेरन, कालिया पेरूमल, समीनाथन, सेनगुट्टुवन, सुगुमारन, बालाजी, सीतारामन, सबरी नाथन, जी. बालाजी सहित अन्य किसान नेता उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ की कृषि नीति को राष्ट्रीय पहचान

तमिलनाडु के किसानों ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार की कृषि नीतियों की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान की सराहना की। किसानों ने कहा कि जब सरकार किसानों के हित में ठोस नीतियाँ बनाती है, तो उनका सीधा प्रभाव उनकी आय, जीवन स्तर और समृद्धि पर पड़ता है। यह मुलाकात दो राज्यों के किसानों के बीच आपसी सौहार्द और कृषि सहयोग का प्रतीक बनी। इससे स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ सरकार की किसान-केंद्रित नीतियां न केवल राज्य में बल्कि देशभर में अनुकरणीय बन रही हैं।

इस बार भी होली पर बाहरी गुलाल को टक्कर देंगी ग्रामीण महिलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। इस बार होली को लेकर बिहान समूह से जुड़े महिलाओं के द्वारा हर्बल गुलाल तैयार किया गया है। स्व सहायता समूह की स्वरोजगार से जुड़ी महिलाएं दिन-रात हर्बल गुलाल तैयार करने में लगी है। इस गुलाल को लगाने से जहां चेहरे पर कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। महिला स्वयं सहायता समूह के जरिए तैयार किए जा इन हर्बल गुलाल और हर्बल रंग की कई विशेषताएं हैं । इसमें फूलों के रंग का इस्तेमाल किया जाता है । इतना ही नहीं गुलाल और रंग में महक के लिए भी फूलों का ही इस्तेमाल किया जाता है. इसमें किसी भी तरह का केमिकल नहीं मिलाया जाता है, जो नुकसान करें। यही वजह है कि इस गुलाल और रंग की डिमांड ज़िले सहित आसपास के ज़िलो में से भी आ रही है। वहीं, महिलाओं को घर बैठे स्वरोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। बेमेतरा ज़िले के ब्लॉक साजा ग्राम पंचायत महीदही जय मां सिद्धि महिला स्व-सहायता समूह की महिलायें भी हर्बल गुलाल बनाने में जुट हैं । समूह की सचिव श्रीमती पार्वती साहू ने बताया कि पिछले साल होली में 30 किलो हर्बल गुलाल महिलाओं ने बनाया ।जिसकी काफ़ी माँग रही ।उन्होंने कहा कि पिछले,20 और 50 रुपए के हर्बल गुलाल के पैकेट बनाए थे। इस बार समूह की महिला सदस्यों ने हर्बल गुलाल ज़्यादा बनाए जाने का लक्ष्य रखते हुए 95 किलो हर्बल गुलाल बनाया गया है। इस बार 50 और 110 रुपये का पैकेट बनाया गया है। उन्होंने बताया कि पालक,लालभाजी, हल्दी.जड़ी, बुटी व फूलों से हर्बल गुलाल बनाने का कार्य कर रही ।

इसके अलावा मंदिरों फूलों के बाजार से निकलने वाली इस्तेमाल किए हुए फूल पत्तियों को सुखाकर प्रोसेसिंग यूनिट में पीसकर गुलाल तैयार किया जाता है। गुलाब, गेंदे, स्याही फूल के साथ चुकंदर, हल्दी, आम और अमरूद की हरी पत्तियां को भी प्रोसेस किया जाता है।

महिलाओं ने बताया कि एक किलो हर्बल गुलाल बनाने में करीब 75 रुपये खर्च आ रहा है। गुलाल को बनाने में वे पालक, चुकंदर, सिंदूर आदि का उपयोग करती है। इस गुलाल के प्रयोग से किसी तरह का त्वचा को नुकसान नहीं होगा। इसलिए क्षेत्र के लोग भी इसमें रुचि दिखा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि लोगों को हर्बल गुलाल के फायदे को समझाएं ताकि लोग इन्हें अपनाएं। महिला स्व सहायता समूह द्वारा इस वर्ष की होली के लिए पालक,लालभाजी, हल्दी. फूलों से हर्बल गुलाल बना रही है। उनके द्वारा वर्तमान मे पीला, संतरा, लाल एवं चंदन रंग के गुलाल का निर्माण किया जा रहा है, जिसका विक्रय स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कलेक्ट्रेट सहित अन्य स्थानों पर स्टॉल लगाकर किया जा रहा है ।

होली मिलन समारोह में विधानसभा परिसर हुआ रंग-गुलाल से सराबोर

मंत्री-विधायकों के फाग गीतों पर झूमे सदस्य, डॉ. सुरेंद्र दुबे की कविताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा परिसर में आज होली मिलन समारोह का रंगारंग आयोजन हुआ, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित तमाम विधायकों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं। आयोजन का पूरा माहौल होली के उल्लास में सराबोर रहा। मंत्रियों और विधायकों ने पारंपरिक फाग गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिस पर विधानसभा सदस्य झूमते नजर आए।

होली मिलन समारोह में लोक परंपरा का विशेष रंग देखने को मिला। मंत्री-विधायकों द्वारा गाए गए फाग गीतों से विधानसभा परिसर में सांस्कृतिक समृद्धि की झलक दिखी।

राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने मुख मुरली बजाए, छोटे से श्याम कन्हैया गीत की मधुर प्रस्तुति दी।विधायक श्री अनुज शर्मा ने का तैं मोला मोहिनी डाल दिये रे और रंग बरसे गीत गाकर समां बांध दिया। विधायक श्री कुंवर सिंह निषाद ने फागुन मस्त महीना और चना के डार राजा गीत गुनगुनाया। विधायक श्री दिलीप लहरिया ने नदिया के पार म, कदली कछार म गीत सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। विधायक रामकुमार यादव और श्रीमती चातुरी नंद ने भी फाग गीतों से समां बांधा। डॉ. सुरेंद्र दुबे की कविताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बढ़ाया रंग

लोकप्रिय कवि डॉ. सुरेंद्र दुबे ने अपनी हास्य और होली की रंगीन कविताओं से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा श्री राकेश तिवारी और उनकी टीम ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने डॉ. सुरेंद्र दुबे, राकेश तिवारी व उनकी टीम को सम्मानित किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वनमंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन, विधायक अजय चंद्राकर, धर्मलाल कौशिक, पुरंदर मिश्रा, धर्मजीत सिंह, मोतीलाल साहू, सुशांत शुक्ला, संदीप साहू, गुरु खुशवंत साहेब, भैयालाल राजवाड़े, ईश्वर साहू, कुंवर सिंह निषाद, रिकेश सेन, रामकुमार यादव, भावना बोहरा, योगेश्वर राजू सिन्हा, अटल श्रीवास्तव, ललित चंद्राकर सहित विधानसभा के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950